रीवा

11 नवंबर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

कोलकाता और अहमदाबाद

@ पेज 7

सिब्बल का दावा-हरियाणा से 6 स्पेशल ट्रेनें बिहार भेजी गईं,इनमें 6 हजार लोग गए आरजेडी सांसद बोले- ये सभी प्रोफेशनल वोटर्स हैं

चंडीगढ़, एजेंसी। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल और राजद सांसद एडी सिंह ने दावा किया है कि बिहार चुनाव के पहले फेस की वोटिंग से पहले हरियाणा से 6 हजार लोग बिहार भेजे गए। ये सभी प्रोफेशनल वोटर्स हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा से 3 नवंबर को 6 विशेष ट्रेनें चलीं। पहली सुबह 10 बजे करनाल से बरौनी, दूसरी ट्रेन सुबह 11 बजे करनाल से भागलपुर गई। दिन में 3 और 4 बजे गुरुग्राम से भी दो ट्रेनें भागलपुर गईं। हर ट्रेन में औसतन 1,500 यात्री थे। उन्होंने हरियाणा से बिहार भेजे गए लोगों के संदिग्ध वोटर होने की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। बता दें कि बिहार की सभी 243 सीट पर 2 चरण में चुनाव हैं। पहले चरण के लिए 6 नवंबर को वोटिंग हो चुकी है। दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं, चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

रिटायर्ड हाईकोर्ट जजों की निगरानी में होंगे बार काउंसिल के चुनाव: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिए हैं कि बार काउंसिल चुनावों की निगरानी के लिए वे हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों को नियुक्त कर सकता है। बार काउंसिल चुनावों को निष्पक्ष और मुक्त बनाने के लिए ये पहल हो रही है। सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया और राज्य बार काउंसिल्स पर विश्वास कमजोर हो रहा है, इसलिए हर राज्य में रिटायर्ड हाई कोर्ट जजों की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र चुनाव समिति नियुक्त की जाएगी, जो बार काउंसिल के चुनावों की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगी।

बार काउंसिल को चुनाव की तारीखों की जल्द घोषणा करने का निर्देश :वरिष्ठ वकील और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि अगर बार काउंसिल के चुनाव कराने के लिए रिटायर्ड जजों को नियुक्त किया जाता है तो इससे बार काउंसिल ऑफ इंडिया को कोई आपत्ति नहीं है।

गोरखपुर में एकता यात्रा में गरजे सीएम योगी

योगी बोले- जिन्ना पैदा न होने पाए दफन कर देना,बांटने वालों को पहचानें

यूपी के स्कूलों में रोज वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा

गोरखपुर, एजेंसी। सीएम योगी ने सोमवार को गोरखपुर में एकता यात्रा निकाली। वह 2 किमी पैदल चले। योगी ने कहा- हमें याद रखना होगा कि भारत के अंदर कोई नया जिन्ना पैदा न होने पाए। अगर जिन्ना पैदा होने का साहस करता है तो उसे दफन करके रख देना। सीएम ने वंदे मातरम को लेकर बड़ा ऐलान भी किया। कहा- अब प्रदेश के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' का नियमित और अनिवार्य गायन किया जाएगा। एकता पदयात्रा भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर निकाली जा रही है। 25 नवंबर तक प्रदेशभर में आयोजन होंगे। हर विधानसभा में 10 किमी की

यात्रा निकाली जाएगी।

समाज को बांटने वालों को पहचानों :योगी ने कहा- जब वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर कार्यक्रम शुरू हुए तो सिर फूटना शुरू हो गए। सपा के एक सांसद ने इसका विरोध किया। ये वही लोग हैं, जो सरदार पटेल की जयंती कार्यक्रम में शामिल नहीं होते, लेकिन जिन्ना को सम्मान देने के कार्यक्रम में शर्मनाक तरीके से शामिल होते हैं।ये उग्रवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद लगातार देश की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहा है। जो भी क्रांतिकारियों का अपमान करते हैं, वे अलगाववादी ताकतों को बढ़ाने का दुस्साहस करते हैं। जाति, क्षेत्र के नाम पर समाज को बांट रहे हैं, उन्हें पहचानें।

...तब जिन्ना कुर्सी छोड़कर चले गए थे

योगी ने कहा- वंदे मातरम विदेशी दास्तां से मुक्त होने का मंत्र बना। ऐसे गीत को भी सांप्रदायिक कहकर कांग्रेस ने संशोधन करना चाहा। उनकी यह तुष्टिकरण की नीति 1947 में देश के विभाजन का कारण बनी। कुछ लोगों के लिए व्यक्तिगत आस्था देश से बड़ी हो जाती है। मोहम्मद अली जौहर ने 1923 कांग्रेस के अधिवेशन में जब वंदे मातरम गाया तो मोहम्मद अली जिन्ना अध्यक्षता की कुर्सी छोड़कर चले गए।

योगी पर लोगों ने फूल बरसाए

सीएम ने महात्मा गांधी और रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पदयात्रा शुरू की। पूरी यात्रा में देशभक्ति नारे गूंजे। योगी पर लोगों ने पुष्पवर्षा की। गोलघर काली मंदिर तक 2 किमी योगी पैदल आए। यहां सरदार पटेल की प्रतिमा पर माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी। यहां से सीएम यात्रा से निकल गए और एकता यात्रा आगे बढ़ गई। 10 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यह यात्रा गीता वाटिका के पास विशंभर पाठक पार्क में खत्म हुई।

दिल्ली में लाल किले के पास कार ब्लास्ट, 10 की मौत, 24 घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास सोमवार शाम सनसनीखेज हादसा हुआ। फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास लगभग शाम 6:52 बजे चलती कार में जोरदार धमाका हुआ। धमाके में 10 लोगों की मौत हुई है और 24 लोग घायल बताए जा रहे हैं। धमाके की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों और पुलिस के अनुसार, आग इतनी तेज़ी से फैली कि आसपास खड़ी तीन और गाड़ियां भी जल गईं। घटना के तुरंत बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने तुरंत इलाके को सील कर दिया। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है और विस्फोट के कारणों की जांच में जुट गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि धमाका कैसे हुआ।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड को भी तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। दिल्ली के अलावा मुंबई, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि घायल लोगों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज जारी है।

फरीदाबाद में डॉक्टर के कमरे से 360 किलो विस्फोटक मिला,असॉल्ट राइफल और कारतूस जब्त

2 दिन पहले कश्मीर में इसके लॉकर से एके-47 मिली थी; दो गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा के फरीदाबाद में एक डॉक्टर के घर से 360 किलो विस्फोटक (संदिग्ध अमोनियम नाइट्रेट) बरामद किया गया है। इसके साथ ही असॉल्ट राइफल और कारतूस भी मिले हैं। यहां जम्मू-कश्मीर पुलिस ने छापा मारा था। गिरफ्तार डॉक्टर का नाम मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। यह पुलवामा के कोइल का रहने वाला है। इससे पहले 7 नवंबर को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सहारनपुर (यूपी) से डॉ. आदिल अहमद को गिरफ्तार किया गया था। यह अनंतनाग (कश्मीर) का रहने वाला है। आदिल अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) में प्रैक्टिस करता था। 2024 में इसने वहां से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वह सहारनपुर में प्रैक्टिस करने लगा। जानकारी के मुताबिक, डॉ.

मुजम्मिल ने फरीदाबाद के धौज गांव में 3 महीने पहले किराए पर कमरा लिया था। वह यहां रहता नहीं था, केवल सामान रखने के लिए कमरा लिया था।

पुलिस कमिश्नर बोले- 9 नवंबर को छापा मारा, 360 किलो विस्फोटक जब्त : फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि पिछले करीब 15 दिनों से हरियाणा और छुत्र्य पुलिस का एक जॉइंट ऑपरेशन जारी था। वह अब भी चल रहा है। इसके अंतर्गत एंटी टेरर मॉड्यूल पर काम करते हुए दोनों राज्यों की पुलिस ने फरीदाबाद से एक एक्टिविस्ट को पकड़ा था, जिसका नाम डॉक्टर मुजम्मिल शकील है। यह फरीदाबाद की अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। इसके बाद रविवार (9 नवंबर) को उसके कमरे में रेड की गई, जिसमें करीब 360 किलो विस्फोटक बरामद किया गया। वह अमोनियम नाइट्रेट हो सकता है। बरामद विस्फोटक RDX नहीं है। मौके से टेरर एक्टिविटी में शामिल होने वाला सामान जैसे 20 टाइमर्स, बैटरी और अन्य सामान बरामद किया गया है।

यूएपीए के तहत केस दर्ज

डॉ. आदिल से पूछताछ की जा रही है। गैर-कानूनी गतिविधि (निरोधक) कानून (UAPA) के तहत केस दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि डॉक्टर के पास से इस तरह के हथियार की बरामदगी आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में संलिप्तता मानी जा सकती है। इंडियन आर्म्स एक्ट 1959 के मुताबिक बिना लाइसेंस के आधुनिक/ प्रोहिबिटेड हथियार रखने पर सख्त सजा का प्रावधान है।

बिहार विधानसभा चुनाव :दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग आज,45399 बूथों पर ईवीएम पहुंची

गयाजी के 3 गांवों में 25 साल बाद वोटिंग

पटना/नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग 11 नवंबर को होनी है। मतदान मंगलवार सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इसके लिए 45,399 बूथ बनाए गए हैं। चुनाव कर्मी EVM लेकर बूथों पर पहुंचे। 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। पहले फेज में रिकॉर्ड 65% वोटिंग हुई थी। इमामगंज प्रखंड के हेरहज, पथरा और केवलडीह गांव के मतदाता लगभग 25 साल बाद अपने गांव में ही मतदान कर सकेंगे। 2001 में आखिरी बार वोटिंग के बाद से इन तीनों गांवों के लोग वोट नहीं डाल पा रहे थे।

दरअसल, नक्सलियों के कारण प्रशासन ने इन गांवों का पोलिंग बूथ 10-12 किमी दूर सलैया बना दिया था। दूरी और ट्रांसपोर्ट की कमी के चलते ग्रामीण वहां तक नहीं पहुंच पाते

थे, जिससे लोग वोटिंग से वंचित रह जाते थे।

सम्राट चौधरी को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका खारिज : सुप्रीम कोर्ट ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को चुनाव में अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका हैदराबाद के एक निवासी ने दायर की गई थी। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की दो बेंचों ने की, और अदालत ने स्पष्ट कहा, न्यायालय का समय बर्बाद न करें। याचिका में कहा गया, सम्राट चौधरी ने उम्मीदवार के तौर पर गलत डेट ऑफ बर्थ और उम्र के साथ कई हलफनामे दायर किए, जिनमें 1995 में आपराधिक कार्यवाही के लिए 15 साल का नाबालिग होने का दावा करना, जबकि 1999 के चुनाव के लिए 25 साल से अधिक उम्र का दावा करना और बाद में 2020 और 2025 के चुनावी हलफनामों में गलत उम्र बताया गया।याचिका में उनका नामांकन रद्द करने, FIR दर्ज करने और निर्वाचन आयोग को जांच के निर्देश देने की मांग की गई थी।

केरल में दो चरणों में होगा स्थानीय निकाय चुनाव, 9 और 11 दिसंबर की तारीख तय

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को एलान किया कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में 9 और 11 दिसंबर को कराए जाएंगे। पहले चरण में 9 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानमथिट्टा, कोट्टायम, अलप्पुझा, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में मतदान होगा। दूसरे चरण में 11 दिसम्बर को त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, वायनाड, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 13 दिसंबर को की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 नवंबर, नामांकन पत्रों की जांच 22 नवंबर को और नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 24 नवंबर तय की गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त ए. शाजहान ने बताया कि चुनाव राज्य के 1,200 में से 1,199 स्थानीय निकायों में कराए जाएंगे, क्योंकि मत्तनूर नगरपालिका परिषद का कार्यकाल वर्ष 2027 तक वैध है। इन चुनावों में 941 ग्राम पंचायतें, 152 ब्लॉक पंचायतें, 14 जिला पंचायतें, 86 नगरपालिकाएं और छह नगर निगम शामिल होंगे, जिनमें कुल 23,512 वार्ड होंगे। राज्य भर में 33,746 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे और 2,84,30,761 मतदाता मतदान के पात्र होंगे, जिनमें 2,841 प्रवासी भारतीय मतदाता भी शामिल हैं।

राहुल बोले-साफ हवा मांगने वालों से अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों ?

प्रदूषण का विरोध करने पर अरेस्ट किया था

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन के खिलाफ विरोध कर रहे लोगों को हिरासत में लेने पर राहुल गांधी ने सरकार की आलोचना की है। उन्होंने X पर कहा- शांतिपूर्ण तरीके से साफ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है?

दरअसल दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ रविवार को इंडिया गेट पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम होते-होते पुलिस ने लोगों को इंडिया गेट से हटाया। इस दौरान कई लोगों को डिटेन किया गया था। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार ने प्रदूषण से निपटने की कोई प्लानिंग नहीं की।

इधर, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार रविवार सुबह दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 391 दर्ज हुआ, जो गंभीर श्रेणी में है। कई इलाकों जैसे बवाना (436), पटपड़गंज (425), आरके पुरम (422) और आनंद विहार (412) में हालात बेहद खराब हैं। राहुल बोले- वोट चोरी वाली सरकार को परवाह नहीं राहुल गांधी ने X पर प्रदर्शन का एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए लिखा- वायु प्रदूषण करोड़ों भारतीयों को प्रभावित कर रहा है। हमारे बच्चों और हमारे देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है। लेकिन वोट चोरी से सत्ता में आई सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है, न ही वह इस संकट को हल करने का प्रयास कर रही है। हमें स्वच्छ हवा की मांग कर रहे नागरिकों पर हमला करने के बजाय, वायु प्रदूषण पर अभी से निर्णायक कार्रवाई करने की जरूरत है।

पर्यावरण कार्यकर्ता बोले- हर तीसरे बच्चे के फेफड़े प्रदूषण से प्रभावित : विरोध करने वालों में मौजूद पर्यावरण कार्यकर्ता भवरीन कंधारी ने कहा कि बच्चों की सेहत तेजी से बिगड़ रही है। हर तीसरे बच्चे के फेफड़े प्रदूषण से प्रभावित हैं। एक और प्रदर्शनकारी अभिषेक ने कहा कि सरकारें एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगी हैं, जबकि लोगों को स्वच्छ हवा का बुनियादी अधिकार भी नहीं मिल रहा।

एक्यूआई 400 पहुंचा, अस्पतालों में मरीजों की संख्या 15प्रतिशत बढ़ी

रविवार सुबह दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स इस सीजन के अपने सबसे खराब स्तर पर पहुंच गया। जो कई इलाकों में 400 पार रहा, ये सबसे खराब लेवल माना जाता है। धूप खुलने के बाद इसमें मामूली सुधार हुआ था, AQI 391 रिकॉर्ड किया गया। राजधानी के अस्पतालों में सांस और अस्थमा के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में रेस्पिरेटरी विभाग पूरा भर चुका है। डॉक्टरों के अनुसार ओपीडी में 10 से 15 फीसदी मरीज बढ़े हैं।

पटना में छत गिरी, परिवार के 5 लोगों की मौत

- पति-पत्नी, 3 बच्चों की मलबे में दबने से जान गई; इंदिरा आवास योजना से बना था घर

पटना,एजेंसी। पटना से सटे दानापुर में मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना रविवार देर रात की मानस नया पानापुर गांव की है। यह गांव सारण और पटना की सीमा से सटे दियारा क्षेत्र में है।

मकान की छत गिरने से मोहम्मद बबलू (35), उनकी

पत्नी रोशन खातून(30), उनकी बेटी रुसार(12), बेटा मो. चांद(10) और बेटी चांदनी(2) की मौत हो गई है।

घर पर पूरा मलबा बिखरा पड़ा है। ईंट, टूटी दीवारों के नीचे बच्चे का स्कूल बैग और कुछ कपड़े, पंखा दबा दिख रहा है।कुछ ईंटों पर खून भी लगा है। पास ही कड़ाही, गैस चूल्हा और किचन के दूसरे बर्तन दबे पड़े हैं।

हादसे पर सीएम नीतीश कुमार ने शोक जताया है। पोस्टमॉर्टम के बाद सभी के शव को एंबुलेंस से दियारा के मानस गांव भेजा गया है।

जोरदार आवाज सुन बाहर निकले गांव के लोग

आसपास के लोगों ने बताया कि छत गिरने के बाद जोरदार आवाज हुई। लोग घरों से निकले तो देखा कि छत धराशायी हो चुकी थी। बताया जाता है कि पूरा परिवार रात का खाना खाकर सो रहा था, तभी ये हादसा हुआ है। काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाने पर पांच लोगों के शव मिले हैं। बबलू खान का मकान आवास योजना के तहत मिला था। मकान की दीवारों और छत में दरारें आ गई थीं, जिससे यह हादसा हुआ।

दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट के जीपीएस से छेड़छाड़,पायलट को रनवे पर खेत दिखे थे, आसमान में प्लेन के बीच दूरी बढ़ाकर हादसे टाले

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो दिन पहले 800 से ज्यादा उड़ानें बाधित होने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अब तक की जांच और एक्सपर्ट्स से मिली जानकारी में सामने आया है कि GPS यानी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के सिग्नल से छेड़छाड़ की साजिश की गई थी। जानकारी के अनुसार, 6 से 7 नवंबर शाम लगभग 7 बजे के बीच पायलट्स को GPS से फेक सिग्नल मिल रहे थे। इससे कॉकपिट स्क्रीन पर विमान की पोजिशन ही बदल गई और एक नकली तस्वीर सामने आने लगी। इस दौरान रनवे के बजाय खेत दिखने लगे और विमान की ऊंचाई को लेकर भी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। फिर विमानों के पायलट GPS बेस्ड ऑटो मैसेजिंग की बजाय मैनुअल पोजिशन पर शिफ्ट हो गए। 7 नवंबर को IGI पर ATC के ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम (AMSS) में तकनीकी खराबी से फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं, जबकि 20 को रद्द करना पड़ा। एयरपोर्ट का ऑपरेशन 48 घंटे के बाद नॉर्मल हुआ।

यासीन मलिक के खिलाफ टेरर फंडिंग मामले में मौत की सजा की अपील पर इन-कैमरा सुनवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हत्या और टेरर फंडिंग मामले में दोषी करार दिए गए यासिन मलिक को ट्रायल कोर्ट से मिली उम्रकैद की सजा को फांसी की सजा में तब्दील करने की मांग पर इन-कैमरा सुनवाई करने की मांग की है। जस्टिस विवेक चौधरी की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वो इस मांग पर विचार करेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एनआईए की अर्जी पर 28 जनवरी, 2026 को सुनवाई करने का आदेश दिया। इन-कैमरा सुनवाई का मतलब होता है कि आरोपित और अभियोजन पक्ष के अलावा कोर्ट में किसी भी दूसरे पक्ष को उपस्थित होने की अनुमति नहीं होती है। ऐसा अक्सर काफी संवेदनशील मामलों में होता है। 11 अगस्त को उच्च न्यायालय ने यासिन मलिक को ट्रायल कोर्ट से मिली उम्रकैद की सजा को फांसी की सजा में तब्दील करने की एनआईए की मांग पर सुनवाई करते हुए यासिन को नोटिस जारी किया था। 25 मई, 2022 को पटियाला हाउस कोर्ट ने हत्या और टेरर फंडिंग के मामले में दोषी करार दिए गए यासिन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। पटियाला हाउस कोर्ट ने यासिन मलिक पर यूएपीए की धारा 17 के तहत उम्रकैद और 10 लाख का जुर्माना, धारा 18 के तहत 10 साल की कैद और 10 हजार का जुर्माना, धारा 20 के तहत 10 वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना, धारा 38 और 39 के तहत 5 साल की सजा और 5 हजार का जुर्माना लगाया था। इसके अलावा धारा 120बी के तहत 10 वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना, धारा 121ए के तहत 10 साल की सजा और 10 हजार का जुर्माना लगाया था। कोर्ट ने कहा था कि यासिन मलिक को मिली ये सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसका मतलब की अधिकतम उम्रकैद की सजा और 10 लाख रुपये की सजा प्रभावी होगी।

10 मई, 2022 को यासिन मलिक ने पटियाला हाउस कोर्ट में अपना गुनाह कबूल कर लिया था। 16 मार्च, 2022 को कोर्ट ने हाफिज सईद, सैयद सलाहुद्दीन, यासिन मलिक, शब्बीर शाह और मसरत आलम, रशीद इंजीनियर, जहूर अहमद वताली, बिट्टा कराटे, आफताफ अहमद शाह, अवतार अहम शाह, नईम खान, बशीर अहमद बट्ट ऊर्फ पीर सैफुल्ला समेत दूसरे आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। एनआईए के मुताबिक पाकिस्तान की खूफिया एजेंसी आईएसआई के सहयोग से लश्कर-ए-तोयबा, हिजबुल मुजाहिद्दीन, जेकेएलएफ, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने जम्मू-कश्मीर में आम नागरिकों और सुरक्षा बलों पर हमले और हिंसा को अंजाम दिया। 1993 में अलगवावादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आल पार्टी हुर्रियत कांफ्रेंस की स्थापना की गई।

एनआईए के मुताबिक हाफिद सईद ने हुर्रियत कांफ्रेंस के नेताओं के साथ मिलकर हवाला और दूसरे चैनलों के जरिये आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन का लेन-देन किया। इस धन का उपयोग वे घाटी में अशांति फैलाने, सुरक्षा बलों पर हमला करने, स्कूलों को जलाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में किया। इसकी सूचना गृह मंत्रालय को मिलने के बाद एनआईए ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 121, 121ए और यूएपीए की धारा 13, 16, 17, 18, 20, 38, 39 और 40 के तहत केस दर्ज किया था। पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए एनआईए ने यासिन मलिक को फांसी की सजा की मांग की है। ये याचिका अभी उच्च न्यायालय लंबित है।

खजूरी खास में दो वर्षीय बच्चे की हत्या का मामला सुलझा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में दो साल के बच्चे की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। थाना खजूरी खास की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान शाका उर्फ पप्पू उर्फ पागल (40) के रूप में हुई है। आरोपित आवारा है। पुलिस के अनुसार, पुलिस टीम ने अहम सुराग जुटाने के लिए कई जगहों पर दबिश दी। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बने संभावित ठिकानों पर छापेमारी के बाद आरोपित को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपित शाका ने अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि वारदात वाली रात उसकी बच्चे के माता-पिता से कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद उसने गुस्से में आकर यह जघन्य कदम उठाया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित इससे पहले चोरी के एक मामले में भी शामिल रह चुका है।

दिल्ली दंगा मामले में कपिल मिश्रा के खिलाफ जांच का आदेश रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली के राऊज एवेन्यू सेशंस कोर्ट ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा मामले में कपिल मिश्रा के खिलाफ मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से दिए गए जांच के आदेश को निरस्त कर दिया है। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने यह आदेश दिया। कोर्ट ने 25 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान इस मामले के मजिस्ट्रेट कोर्ट में शिकायतकर्ता मोहम्मद इलियास की ओर से वकील महमूद प्राचा ने दलीलें रखी थीं। उन्होंने कहा था कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का कपिल मिश्रा के खिलाफ जांच करने का आदेश कानून-सम्मत था। इसके पहले सेशंस कोर्ट ने 9 अप्रैल को मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए मजिस्ट्रेट कोर्ट के याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया था। सेशंस कोर्ट में कपिल मिश्रा और दिल्ली पुलिस ने याचिका दायर की थी। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दिल्ली दंगों में शामिल होने के मामले में कपिल मिश्रा के खिलाफ जांच करने का आदेश दिया था। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने ये आदेश दिया था। इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने भी कपिल मिश्रा के मामले में लापरवाही बरतने पर ज्योति नगर थाने के एसएचओ पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कहा था कि कपिल मिश्रा के खिलाफ संज्ञेय आरोप हैं और इसकी जांच होनी चाहिए। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को इस मामले की जांच करने का आदेश दिया था। इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि या तो जांच अधिकारी ने कपिल मिश्रा के खिलाफ कोई जांच नहीं की या उसने कपिल मिश्रा के खिलाफ आरोपों को छिपाने की कोशिश की। कोर्ट ने कहा कि आरोपी कपिल मिश्रा सार्वजनिक व्यक्ति है और उसके बारे में ज्यादा जांच की जरुरत है। क्योंकि ऐसे लोग जनता के मत को सीधे-सीधे प्रभावित करते हैं। सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति को संविधान के दायरे में रहने की उम्मीद की जाती है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि जिस तरह के बयान दिए गए हैं वे सांप्रदायिक सद्भाव पर बुरी तरह असर डालते हैं। ऐसे बयान अलोकतांत्रिक होने के साथ साथ देश के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों पर हमला है। ऐसे बयान संविधान के मूल चरित्र का खुला उल्लंघन है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए सांप्रदायिक और धार्मिक सद्भाव से जुड़ा हुआ है। ये देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी से भी जुड़ा हुआ है। आरोपी को अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का लाभ उठाने का हक है वैसे ही उस पर सांप्रदायिक सद्भाव को संरक्षित रखने की भी जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि कपिल मिश्रा उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक हैं। राऊज एवेन्यू कोर्ट में शिकायत मोहम्मद इलियास ने दायर की थी।

दिल्ली में बढ़ती सर्दी : अब कड़ाके की ठंड के लिए हो जाएं तैयार, आज 10 डिग्री तक पहुंच सकता है न्यूनतम पारा

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में लगातार बदल रहे मौसम में अब ठंड का एहसास बढ़ रहा है। लगातार बदल रहे मौसम के बीच अब सुबह और रात के समय ठंड का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 11 नवंबर को न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिल्ली में एसी और कूलर के बाद अब पंखे भी अब बिल्कुल बंद होने लगे है। रविवार को सुबह मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज निकला, लेकिन, लोगों को दिन में भी ठंड महसूस हुई। शाम से ही लोगों को सिहरन का अहसास हुआ। इसी बीच अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 2.7 डिग्री अधिक है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 89 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 36 प्रतिशत रही। रविवार को रिज सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, लोधी रोड में 11 और पालम में 11.9 और आया नगर में न्यूनतम पारा 10.7 डिग्री सेल्सियस के नीचे दर्ज किया गया। आईएमडी का अनुमान है कि सोमवार को सुबह धुंध व कोहरा के साथ आसमान साफ रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26 और 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। वह एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तरी हरियाणा के ऊपर समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर बना हुआ है।

दिल्ली में जंतर-मंतर पर युवक ने की आत्महत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जंतर-मंतर पर सोमवार सुबह एक युवक ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी लोकेंद्र (40) के रूप में हुई है। वह पिछले कई महीनों से अपनी बहन को मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग में अनुकंपा के आधार पर नौकरी दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहा था। पुलिस के अनुसार, लोकेंद्र के जीजा मध्य प्रदेश के शिक्षा विभाग में चपरासी के पद पर कार्यरत थे, जिनकी वर्ष 2019 में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद लोकेंद्र चाहता था कि सरकार उसकी बहन को विभाग में नौकरी दे। इसी मांग को लेकर वह जुलाई से दिल्ली में धरने पर बैठा हुआ था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 9 बजे लोकेंद्र ने जंतर-मंतर पर खुद को गोली मार ली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसे मृत अवस्था में पाया गया। उसके शरीर पर गोली लगने के निशान मिले हैं। पुलिस ने बताया कि मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया और घटनास्थल को घेर लिया गया।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई यात्रा में व्यवधान, 2000 उड़ाने रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन के बीच एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की भारी कमी के कारण हवाई यात्रा में व्यवधान जारी है। रविवार शाम लगभग पांच बजे (पूर्वी समय) तक संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर, अमेरिका में आने वाली या अमेरिका से बाहर जाने वाली 2,000 से ज़्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। अमेरिका की सरकारी एजेंसी संघीय उड्डयन प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है। सीएनएन चैनल ने फ्लाइट ट्रैकिंग साइट, फ्लाइटअवेयर के हवाले से यह खबर प्रसारित की। ट्रैकिंग साइट के अनुसार, इसके अलावा 7,000 से ज्यादा उड़ानें विलंबित हुई हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन के उड़ानों में चार प्रतिशत की अनिवार्य कटौती के बाद अमेरिका में हवाई यात्रियों की मुश्किल बढ़ गई है। हालांकि कुछ उड़ानों को खराब मौसम के कारण स्थगित करना पड़ा है। अगर शटडाउन की समस्या खत्म नहीं होती तो विमान कंपनियों को अगले सप्ताह अपने शेड्यूल में धीरे-धीरे कटौती करनी होगी। न्यूयॉर्क शहर, वाशिंगटन, डीसी, अटलांटा, नैशविले, डलास-फोर्ट वर्थ, शिकागो, ऑरलैंडो, ऑस्टिन और फीनिक्स के हवाई अड्डे के कई टर्मिनल बंद हैं। इससे पहले शनिवार को 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और 6,600 से ज्यादा में देरी हुई। संघीय उड्डयन प्रशासन ने माना कि एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स और फेडरल सिक्योरिटी स्क्रीनर्स का वेतन न मिल पाने के कारण स्टाफ की भारी कमी हुई है। इससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। सीएनएन के अनुसार, न्यूयॉर्क शहर के तीन प्रमुख एयरपोर्ट-नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल, ला गार्डिया और जॉन एफ. कैनेडी इंटरनेशनल में शनिवार को विमानों के आगमन और प्रस्थान में औसतन चार घंटे तक की देरी हुई। अमेरिका के परिवहन 15-20 प्रतिशत तक भी पहुंच सकती है।

बिजली का करंट लगने से युवती की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर इलाके में रविवार रात एक 23 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस को यह मामला बिजली का करंट लगने का प्रतीत हो रहा है। जांच में मृतका की पहचान मणिपुर की रहने वाली फ्लोरेंस के रूप में हुई है। वह किराये के कमरे में रहती थी। पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब 8 बजकर 19 मिनट पर थाना वसंत कुंज साउथ में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि महिपालपुर स्थित एक कमरे में एक महिला मृत पाई गई है और कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है। सूचना मिलते ही जांच अधिकारी व पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पुलिस ने देखा कि युवती बाथरूम में गिरी पड़ी थी और उसके हाथ में इलेक्ट्रिक रॉड थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वह नहाने के लिए बाथरूम में गई थी और पानी गर्म करने के लिए रॉड का इस्तेमाल कर रही थी। काफी समय तक बाहर न निकलने पर उसकी सहेली, जो उसी इमारत में रहती है, ने जाकर देखा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर क्राइम टीम को बुलाया गया और मौके का निरीक्षण किया गया। शव को सफदरजंग अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कोई भी साजिश या आपराधिक गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हवा में घुले जहर से निपटने के लिए कुदरत की शरण में दिल्ली सरकार, बांस लगाने के लिए तैयार

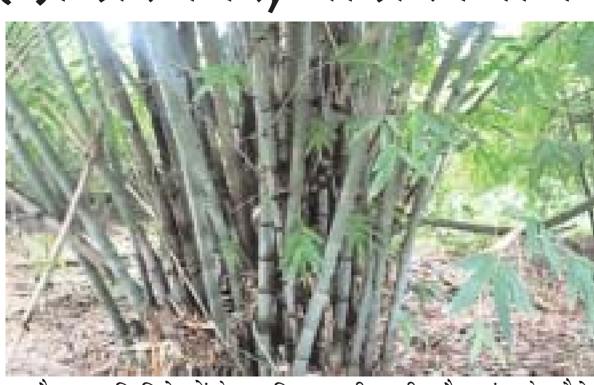

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जहरीली हवा को शुद्ध करने के लिए प्रदेश सरकार ने कुदरत का सहारा लिया है। बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वन एवं वन्यजीव विभाग रेवला खानपुर और मलिकपुर इलाकों में बांस के 21,181 पौधे लगाएगा। इसके लिए विभाग ने टेंडर भी जारी कर दिए हैं। वनस्पति विशेषज्ञों के मुताबिक बांस ऐसा पौधा है, जो सबसे तेजी से ऑक्सीजन छोड़ता है और हवा में मौजूद प्रदूषक कणों जैसे पीएम2.5 और पीएम10 को सोखने की अद्भुत क्षमता रखता है। नए टेंडर के लिए बोलियां 1 दिसंबर तक जमा होंगी और उसी दिन तकनीकी बोली खोली जाएगी। बांस जितनी तेजी से बढ़ता है, उतनी ही तेजी से जहरीली हवा को भी साफ करता है। वनस्पति विशेषज्ञों के मुताबिक इसका तना लंबा और पत्तियां हल्की होने के कारण धीमी हवा चलने पर भी ये लहलहाने लगते हैं। इसके कारण ये पीपल के पत्तों की तरह से हवा तेजी से शुद्ध करने में सक्षम हैं। ऐसे में इस पहल से पश्चिमी वन क्षेत्र रेवला खानपुर और मलिकपुर के इलाकों की हवा में सुधार आने की उम्मीद है। बांस के पौधे न केवल वायु को शुद्ध करेंगे, बल्कि मिट्टी को भी स्थिर रखकर हरित पट्टी को मजबूत बनाएंगे। इस परियोजना के अंतर्गत साल 2025-26 में पश्चिमी वन क्षेत्र में बांस की तादाद बढ़ाने की तैयारी है। ग्रीन एयर प्यूरीफायर भी है बांस दिल्ली में इन दिनों हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में है। कई इलाकों में एक्यूआई 400 से ऊपर दर्ज किया गया है, जबकि औद्योगिक और बाहरी इलाकों में यह गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बांस के पौधे लगातार कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन छोड़ते हैं और वायु में मौजूद सूक्ष्म धूल कणों को नीचे बैठाने में मदद करते हैं। इस वजह से इन्हें ग्रीन एयर प्यूरीफायर भी कहा जाता है।

बड़े पैमाने पर बांस लगाने की योजना : वन विभाग की ओर से जारी टेंडर नोटिस के मुताबिक इस परियोजना के तहत पौधों की सिंचाई, खाद-पानी, खरपतवार नियंत्रण और सुरक्षा का काम ठेकेदार के जिम्मे रहेगा। वन विभाग के अधिकारी इसकी निगरानी करेंगे।

जलवायु संकट की नई चेतावनी : दो महीने में हेक्टोरिया ग्लेशियर आधा गायब, समुद्री जल-स्तर बढ़ने के संकेत

अंटार्कटिका ,एजेंसी। अंटार्कटिका का हेक्टोरिया ग्लेशियर मात्र दो माह में अपनी बर्फ का करीब आधा हिस्सा गायब कर बैठा है। यह वर्तमान में दर्ज सबसे तेज और चौंकाने वाला हिमनद पतन है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर के वैज्ञानिकों के शोध से पता चला कि ग्लेशियर के नीचे की समतल चट्टानी सतह के कारण वह अचानक तैरने लगा और कुछ ही हफ्तों में आठ किलोमीटर पीछे हट गया। यह घटना जलवायु परिवर्तन और समुद्र-स्तर वृद्धि के लिए एक गंभीर वैश्विक संकेत है। वैज्ञानिकों ने माना, दो माह में बर्फीले पहाड़ का ढहना गंभीर समस्या है। अंटार्कटिका के पूर्वी हिस्से में स्थित हेक्टोरिया ग्लेशियर 2023 की शुरुआत में महज दो महीनों में 115 वर्ग मील क्षेत्रफल की बर्फ खो बैठा जो नई चेतावनी है।

उपग्रहों के डाटा को जोड़कर किया घटना का विश्लेषण : नेचर जियोसाइंस में छपी रिपोर्ट बताती है कि वैज्ञानिकों ने विभिन्न उपग्रहों के डाटा को जोड़कर इस पूरी घटना का विश्लेषण किया। यदि उपग्रह चित्र तीन महीने के अंतराल पर लिए गए होते तो यह तेज बदलाव पकड़ में नहीं आता। सीआइआरईएस के प्रमुख शोधकर्ता ने बताया कि जब हमने 2024 की शुरुआत में उस जगह को प्रत्यक्ष रूप से देखा, तो हमारी आंखों पर विश्वास करना मुश्किल था। जो हमने उपग्रहों में देखा था, वास्तविक दृश्य उससे भी कहीं ज्यादा भयावह था। इसने हमें हिला दिया।

जलवायु प्रणाली के अस्थिर होने के साफ संकेत : वैज्ञानिक समुदाय इस घटना को पृथ्वी की जलवायु प्रणाली के अस्थिर होने के स्पष्ट संकेत के रूप में देख रहा है। यह न केवल अंटार्कटिका की बर्फीली परत के भविष्य के लिए चिंता का विषय है, बल्कि वैश्विक जलवायु नीति के लिए भी। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि इस तरह की घटनाएं अन्य बड़े ग्लेशियरों में दोहराई गई, तो वैश्विक समुद्र-स्तर में वृद्धि तेज और अपरिवर्तनीय रूप ले सकती है। हेक्टोरिया ग्लेशियर का पतन केवल एक वैज्ञानिक घटना नहीं, बल्कि मानवजनित जलवायु परिवर्तन की जीवित तस्वीर है।

हमास ने शहीद लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का पार्थिव शव इजरायल को सौंपा

नई दिल्ली, एजेंसी। हमास ने इजरायल को शहीद सैनिक लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का पार्थिव शरीर सौंप दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हर हफ्ते होने वाली कैबिनेट मीटिंग में पहले ही इसकी जानकारी दी थी। शहीद सैनिक का पार्थिव शरीर मिलने के बाद अब पहचान की पुष्टि की जाएगी। वहीं, हमास द्वारा पार्थिव शरीर मिलने से पहले पीएम नेतन्याहू ने कहा, हमें लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का पार्थिव शरीर प्राप्त होने वाला है। राज्य की स्थापना के समय से ही हमारी एक विरासत रही है, युद्ध में शहीद हुए अपने सैनिकों को वापस लौटाना, और हम यही कर रहे हैं। नेतन्याहू ने आगे कहा, हमास ने कल घोषणा की कि उसके पास लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का पार्थिव शरीर है, जिनकी स्मृति सदैव स्मरणीय है। हमें आज दोपहर उनका पार्थिव शरीर प्राप्त होगा। यह प्रक्रिया, निश्चित रूप से, उनकी पहचान के सत्यापन के साथ तुरंत शुरू होगी।

इजरायली पीएम ने बताया कि लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन 11 साल पहले ऑपरेशन प्रोटेक्टिव एज में शहीद हो गए थे। उनके पार्थिव शरीर को हमास ने कब्जा कर रखा था, जिसने इस दौरान उन्हें वापस करने से इनकार कर दिया था। इस दौरान, इजरायली सरकारों ने उन्हें वापस लाने के लिए बहुत प्रयास किए।

पीएम नेतन्याहू ने आगे कहा कि हमने युद्ध की शुरुआत में कहा था कि हम बिना किसी अपवाद के सभी बंधकों को वापस लाएंगे। 255 बंधक बनाए गए थे, जिनमें चार पहले बंधक बनाए गए थे। हम अब तक 250 वापस ला चुके हैं। हम उन सभी को वापस लाएंगे।

इजरायली पीएम ने कहा, हमारे पास राज्य की स्थापना, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मुक्ति संग्राम तक की एक विरासत है, युद्ध में शहीद हुए हमारे सैनिकों को वापस लाने की, और हम ऐसा कर रहे हैं। कभी-कभी इसमें बहुत समय लग जाता है, जैसे कि सुल्तान याकूब की लड़ाई में 40 साल हो गए हैं। अब तक हम वहां से दो शहीद सैनिकों को वापस ला चुके हैं, और एक और सैनिक बचा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों, दोनों के प्रति हमारा एक बड़ा दायित्व है। हम एली कोहेन को वापस लाने पर काम कर रहे हैं।

अमेरिका में डेमोक्रेट पड़े नरम, शटडाउन पर गतिरोध खत्म होने के संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी इतिहास के अब तक के सबसे लंबे सरकारी शटडाउन पर ट्रंप प्रशासन के लिए अच्छी खबर है। सीनेट के कई डेमोक्रेट्स ने व्हाइट हाउस से कुछ महत्वपूर्ण घोषणा होने पर सरकार के पक्ष में मतदान करने की इच्छा जताई है। वार्ता में शामिल एक व्यक्ति के अनुसार, यह इस बात का संकेत है कि शटडाउन से मंडराया संकट दूर होने के करीब है।

सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में जनवरी तक धन के लिए नया अस्थायी उपाय शामिल होगा और कई प्रमुख एजेंसियों को पूरी तरह से वित्तपोषित करने के लिए एक बड़े पैकेज से जुड़ा होगा। इस व्यापक विधेयक में तीन पूर्ण वर्षीय विनियोग विधेयक शामिल होंगे। यह सैन्य निर्माण और पूर्व सैनिकों के मामलों, विधायी शाखा और कृषि विभाग से संबंधित होंगे। विधायी शाखा को वित्तपोषित करने वाले विधेयक के शीर्ष डेमोक्रेटिक विनियोगकर्ता सीनेटर पैटी मरे के प्रस्ताव के सारांश के अनुसार, इसमें कांग्रेस के सदस्यों के लिए सुरक्षा उपायों और संरक्षण को बढ़ाने के लिए 203.5 मिलियन डॉलर का नया वित्त पोषण और यूएस कैपिटल पुलिस के लिए 852 मिलियन डॉलर शामिल हैं। इस समझौते में समाप्त हो रही उन्नत किफायती देखभाल अधिनियम सब्सिडी का विस्तार शामिल नहीं होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि शटडाउन के मसले पर अभी भी कई प्रमुख अड़चनें हैं। इनमें से प्रमुख है बर्खास्त किए गए संघीय कर्मचारियों को बहाल करने की डेमोक्रेट्स की मांग। दो सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि संघीय सरकार में शटडाउन के दौरान हुए कुछ फैसलों को वापस लिया जा सकता है। यह स्पष्ट नहीं है कि इस मसले पर मतदान कब होगा। दोनों पक्षों में अंतिम बातचीत पर्दे के पीछे चल रही है। सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून ने संकेत दिया है कि प्रारंभिक मतदान रविवार को ही हो सकता है।

स्लोवाकिया में दो ट्रेनों की टक्कर, कई यात्री घायल

ब्राटिस्लावा/स्लोवाकिया, एजेंसी। स्लोवाकिया में रविवार शाम दो ट्रेनों की टक्कर में दर्जनों यात्रियों के घायल होने की खबर है। देश के आंतरिक मंत्री माटुस सुताज एस्टोक ने यह जानकारी दी। एस्टोक ने दुर्घटनास्थल पर बताया कि यह दुर्घटनाघटना उस समय हुई जब पहले से ही खड़ी एक ट्रेन में एक अन्य ट्रेन ने पीछे से आकर टक्कर मार दी।

बाद में उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित एक संक्षिप्त प्रेस वार्ता में कहा कि दुर्घटना राजधानी ब्राटिस्लावा और उसके 20 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित पेजिनोक के बीच के कॉरिडोर में हुई। उन्होंने बताया कि इस दौरान दर्जनों लोग घायल हुए हैं जिसमें से 11 को अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि उन्होंने दुर्घटना में किसी की मृत्यु होने या फिर किसी के गंभीर रूस से घायल होने से इंकार किया है। इस बीच फेसबुक जारी जारी एक बयान में पुलिस ने कहा, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर नहीं हुई, न ही कोई ट्रेन पटरी से उतरी। हालांकि एक समाचार वेबसाइट ने एक यात्री का हवाला देते हुए बताया कि टक्कर के दौरान एक तेज धमाका जैसी आवाज सुनाई दी। इससे पहले पूर्वी स्लोवाकिया में 13 अक्टूबर को दो ट्रेनों की टक्कर में 91 लोग घायल हो गए थे। यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद से रोहिंग्या समुदाय खतरे में हैं।

न्यायोत्सव - विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत जिला जेल विधिक जागरूकता एवं योग शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडिटर , सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में न्याय एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 9 से 14 नवम्बर तक न्यायोत्सव रू विधिक सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज 10 नवम्बर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के तत्वावधान में जिला जेल सीधी में विधिक जागरूकता शिविर एवं योग शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों, विधिक सहायता योजनाओं तथा नि:शुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी प्रदान करना था। शिविर में उपस्थित बंदियों और अधिकारियों ने योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक ने मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता और अनुशासन बनाए रखने में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कानूनी सत्र में बंदियों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी दी गई।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे और जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को न्याय प्राप्त करने का समान अधिकार है। कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित नहीं रहेगा। प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क अधिवक्ता, परामर्श, आवेदन लेखन और अपील संबंधी सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेल की चारदीवारी के बाहर आपका कोई अपना इंतजार कर रहा है, इसलिए स्वस्थ मन उनके लिए तैयार करें। कानून और स्वास्थ्य दोनों व्यक्ति के सशक्तिकरण के आधार हैं। योग से मानसिक संतुलन प्राप्त होता है और विधिक जागरूकता से जीवन में न्याय की भावना स्थापित होती है। जिला शिक्षा अधिकारी पवन सिंह ने कहा कि आप सबका जीवन सुधार की दिशा में अग्रसर है। योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाइए, क्योंकि योग शरीर, मन और आत्मा तीनों का संतुलन स्थापित करता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और मानसिक शांति का माध्यम है।

कार्यक्रम में मुकेश कुमार शिवहरे, कृष्ण कुमार तिवारी उप अधीक्षक जिला जेल, पवन सिंह जिला शिक्षा अधिकारी, योग प्रशिक्षक मनीष कौशिक, देवेंद्र प्रसाद मिश्रा, बाबूलाल सिंह, सत्यप्रकाश पांडेय, ऋषभ सिंह, विजयचंद्र गौतम, विनय तिवारी, अजीत वर्मा, संजीव सिंह, आशा शुक्ला, पूजा द्विवेदी, पैरालीगल वालंटियर्स तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी राजेश सिंह बघेल, उमाकांत शुक्ला, कुमोध यादव एवं जिला जेल का स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम का संचालन मनीष कौशिक द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन जेल प्रशासन की ओर से किया गया।

परिवहन विभाग का अभियान तेज, विंध्यनगर में ओवरलोड; अवैध परिवहन पर लाखों का जुर्माना

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिला कलेक्टर के निर्देश पर परिवहन विभाग ने विंध्यनगर क्षेत्र में ओवरलोड और अवैध परिवहन के खिलाफ सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया है। जिला परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह आठौर की निगरानी में यह अभियान चलाया जा रहा है। विभाग का उद्देश्य सड़क पर चलने वाली हर यात्रा को सुरक्षित बनाना है। अभियान के तहत, 9 नवंबर 2025 को विभाग की चेकिंग टीम ने बिना परमिट, बिना फिटनेस और बिना टैक्स संचालित वाहनों पर कार्रवाई की। इस दौरान दो बिना परमिट चल रही मालवाहक गाड़ियों से 1,25,500 रुपये का चालान वसूला गया।

अब तक इस अभियान के तहत कुल 4,55,000 रुपये का राजस्व एकत्रित किया जा चुका है। परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों से गति सीमा का पालन करने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने और सभी दस्तावेज़ अद्यतन रखने की अपील की है। विंध्यनगर, तिलगमा-सक्तिनगर मार्ग और बरगमा से अदाणी प्लांट मार्ग पर भारी वाहनों द्वारा ओवरलोड और अवैध परिवहन लगातार बढ़ रहा है। विशेषकर राखड़ और कोयले का परिवहन बिना परमिट और नियमों का उल्लंघन कर किया जा रहा है। इन मार्गों पर बढ़ती दुर्घटनाओं ने स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की ढिलाई के कारण हादसों का खतरा बढ़ रहा है। उनका यह भी कहना है कि कार्रवाई के दौरान कुछ असामाजिक तत्व अफवाहें फैलाकर अभियान में बाधा डालते हैं।

कोयला लदा ट्रक पलटा, चालक समेत एक अन्य युवक घायल

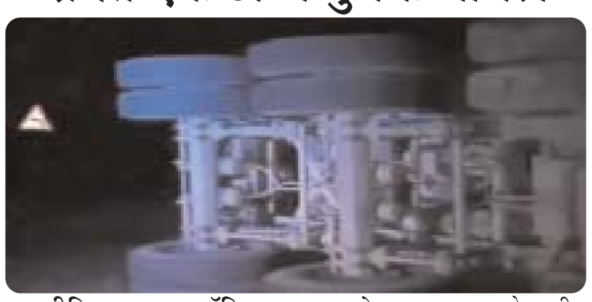

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में तपोवन ढाबा के पास एक कोयला लदा ट्रक पलट गया। इस हादसे में ट्रक चालक और एक अन्य युवक घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, ट्रक क्रमांक एमपी18 जेई 5113 शहडोल से रीवा की ओर जा रहा था। सोमवार सुबह तड़के करीब 4 बजे तपोवन ढाबे के पास ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक उमेश और उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक को चोटें आईं। वाहन चालकों की मदद से दोनों घायलों को सिविल अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

रेल परियोजना पर मुआवजा माफिया का साया, ग्रामीणों का आरोप; सीमा से बाहर की जमीन भी अधिग्रहित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। उपनी गांव में ललितपुर-सीधी-सिंगरौली रेल परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि राजस्व विभाग और रेलवे के कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से रेलवे सीमा से बाहर की निजी ज़मीनों को भी अधिग्रहण घोषित कर करोड़ों रुपये के सरकारी मुआवज़े का खेल खेला जा रहा है। इसी कथित घोटाले को लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने कलेक्टर को सामूहिक आवेदन सौंपा। उन्होंने तत्काल उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीण अनिल कुमार सिंह, शीलद्धवज सिंह और अन्य शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि रेलवे लाइन निर्माण के नाम पर कुछ भू-माफिया सक्रिय हैं।

इन भू-माफियाओं ने अधिकारियों की सांठ-गांठ से अपने नाम ज़मीन दर्ज कराकर अधिग्रहण करवाया, जबकि वह ज़मीन रेलवे सीमा से बाहर है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नया मामला नहीं है; 2017-18 में भी इसी तरह का फर्जी मुआवज़ा वितरण हो चुका है और अब 2025-26 में वही प्रक्रिया दोहराई जा रही है। हल्का पटवारी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में भी यह तथ्य सामने आया है कि जिन खसरा नंबरों का प्रकाशन धारा 11, 19 और 21 के तहत किया जा रहा है, वे रेलवे अधिग्रहण क्षेत्र में आते ही नहीं। इसके बावजूद अधिग्रहण की अवैध प्रक्रिया जारी है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीण रोहित सिंह ने बताया कि शिकायत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्लू) रीवा में की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं, अनिल कुमार सिन्हा ने चेतावनी दी है कि यदि तुरंत निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे उच्च न्यायालय में जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल करेंगे। उन्होंने फर्जी मुआवज़ा लेने वालों से वसूली और वर्तमान प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है।

दूसरी ओर, तहसीलदार गोपदबनास राकेश शुक्ला ने बताया कि शिकायत मिलने पर वे मौके पर पहुंचे और रेलवे अधिकारियों से चर्चा की।

ट्रैक्टर पलटने से 16 वर्षीय किशोर की मौत, एक बच्चे की हालत गंभीर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। धान मिजाई के दौरान हुए एक हादसे में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हुआ है। यह घटना रविवार देर रात अमिलिया थाना क्षेत्र के ग्राम चितवरिया नंबर 3 में घटित हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव में धान की मिजाई के लिए एक ट्रैक्टर-थ्रेशर मशीन ले जाई जा रही थी। रास्ते में एक मोड़ पर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया।

ट्रैक्टर पर चार किशोर सवार थे, जिनमें से दो बाल-बाल बच गए, जबकि दो उसकी चपेट में आ गए। हादसे में चितवरिया नंबर 3 निवासी 16 वर्षीय अनीश पटेल (पिता अवधेश पटेल) की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं, 10 वर्षीय अजय पटेल (पिता बंश बहोर) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस और पंचायत को सूचित किया। सूचना मिलने पर पूर्व सरपंच रामविलास पटेल और ग्राम रोजगार सहायक संदीप तिवारी मौके पर पहुंचे। चौकी प्रभारी अजीत पांडे ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया। शव को सिहावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया।

रामपुर नैकिन में बीएलओ प्रशिक्षण, तहसीलदार ने कहा- मतदाता सर्वे में कोई गलती न हो

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन नगर पंचायत के सामुदायिक भवन में सोमवार को एक दिवसीय बीएलओ प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यशाला में तहसीलदार आशीष मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्राम रोजगार सहायक, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और बीएलओ के रूप में नियुक्त कर्मचारी शामिल हुए। तहसीलदार आशीष मिश्रा ने प्रशिक्षण में कहा कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित मतदाता सर्वे कार्य अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी निष्पक्षता, सतर्कता और ईमानदारी के साथ एकत्र करें। मिश्रा ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सर्वे के दौरान किसी भी मतदाता को असुविधा न हो और सभी सूचनाएं सावधानीपूर्वक दर्ज की जाएं। उन्होंने बताया कि इस बार का सर्वे विस्तृत है, जिसमें मतदाता का नाम, पिता/पति का नाम, आयु, जाति, समग्र आईडी और अन्य संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन शामिल है। तहसीलदार ने जोर दिया कि किसी भी जानकारी को बिना सत्यापन के स्वीकार न किया जाए। यदि दस्तावेजों में कोई त्रुटि या असंगति मिलती है, तो सुधार प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। मिश्रा ने बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि नए नाम जोड़ना, मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाना, या नाम संशोधित करना जैसे सभी कार्य नियमानुसार और निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाने चाहिए। तहसीलदार ने बीएलओ से अपने-अपने क्षेत्र में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए जनसंपर्क करने की अपील भी की, ताकि अधिक से अधिक लोग आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा सकें और मतदाता सूची अद्यतन हो सके।

जमोड़ी काष्ठागार से 8 बैटरी चोरी, वन विभाग ने जब्त किए थे वाहन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जमोड़ी काष्ठागार से जब्त वाहनों से आठ बैटरी चोरी होने का मामला सामने आया है। यह घटना तब हुई जब काष्ठागार में तीन सुरक्षा गार्ड 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात थे और सीसीटीवी कैमरे भी लगे थे। इस घटना ने वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, चोरी की यह घटना काष्ठागार में रखे जब्त वाहनों से हुई है।

चौंकाने वाली बात यह है कि घटना से कुछ दिन पहले ही काष्ठागार के सभी सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए थे। इसके बावजूद, वन विभाग का अमला इस मामले को दबाने का प्रयास कर रहा है। वाहन मालिक रविंद्र ने बताया कि 24 अक्टूबर को उन्हें अपनी गाड़ी से बैटरी चोरी होने का पता चला। उन्होंने तुरंत वन विभाग में लिखित शिकायत दी, लेकिन उन्हें न तो आवेदन की पावती दी गई और न ही कोई कार्रवाई की गई। रविंद्र का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारी ही इस मामले को दबाने में लगे हैं। डिपो इंचार्ज और रेंजर दिनेश मिश्रा ने इस संबंध में कहा कि जब्त गाड़ियां उनके यहां रख दी जाती हैं, लेकिन उनके कागजात नहीं दिए जाते। इसलिए उन्हें यह जानकारी नहीं होती कि किस गाड़ी में क्या सामान है।

थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि यह पहला मामला नहीं है। कुछ महीने पहले भी इसी तरह की चोरी की घटना सामने आई थी। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग केवल एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन देता है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई अधूरी रह जाती है। डीएफओ प्रीति अहिरवार ने इसे बड़ा षड्यंत्र बताते हुए जांच टीम गठित करने की बात कही है, और कहा है कि जल्द से जल्द जांच पूरी करके कार्यवाही की जाएगी। जो दोषी होगा उसे सजा भी दी जाएगी, और विभाग के नियम के अनुसार उससे वसूली भी की जाएगी।

कुएं में गिरने से महिला की मौत

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 में एक बुजुर्ग महिला की कुएं में डूबने से मौत हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान 77 वर्षीय सोनिया साहू के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने वार्ड नंबर 15 में सोनिया साहू के कुएं में डूबने की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने महिला का शव कुएं से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है और बताया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों और अन्य तथ्यों पर अधिक स्पष्टता आएगी।

यातायात पुलिस ने स्कूली वाहनों पर की कार्रवाई, नियमों का उल्लंघन करने पर 15 वाहनों का चालान; 14 हजार जुर्माना

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। यातायात पुलिस ने सोमवार को स्कूली वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान माननीय सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का उल्लंघन करने वाले 15 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। ये वाहन चालक यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे थे, जिससे बच्चों की सुरक्षा खतरे में थी। यातायात प्रभारी प्रियंका शर्मा ने बताया कि जांच में कई स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया। इन वाहनों में अग्निशामक यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और वैन पर पीले रंग में स्कूल वैन लिखा होना जैसी आवश्यक चीजें नहीं थीं। इसके अतिरिक्त, कई वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं थी और डैशबोर्ड पर कैमरा भी अनुपस्थित पाया गया। कार्रवाई के दौरान सभी स्कूल वैन चालकों को शहडोल आरटीओ से संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। प्रियंका शर्मा ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी स्कूल वैन चालकों को अपने वाहनों के लिए कमर्शियल एजुकेशन परमिट बनवाना अनिवार्य है। इस विशेष अभियान में कुल 15 वाहनों के चालान किए गए और उनसे 14,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

कलेक्टर ने समय-सीमा पत्र समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर होगी अनुशासनात्मक कार्यवाही : कलेक्टर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को नवम्बर माह में ए-ग्रेड प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई प्रभावी माध्यम हैं, अत: शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शिकायत निवारण में उदासीनता या लापरवाही पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने 15 नवम्बर को होने वाले गौरव दिवस आयोजन की तैयारियाँ पूर्ण करने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनजातीय परिवारों के सम्मान कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों से कहा कि स्वरोजगार योजनाओं में बैंक के साथ समन्वय कर लक्ष्यों की पूर्ति करें और सूचना के अधिकार अंतर्गत मांगी गई जानकारियाँ समय पर उपलब्ध कराएँ। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार ऑटो ने स्कूटी को मारी टक्कर, सड़क पर गिरा युवक; हाथ-पैर में आई चोट

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र के बैढ़न बस स्टैंड चौपाटी के सामने एक तेज रफ्तार ऑटो ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार युवक घायल हो गया। ऑटो चालकों की लापरवाही से एक और हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक सड़क पर गिर गया और उसके हाथ-पैर में चोटें आई। हादसे के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल युवक की मदद की।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शहर में ऑटो चालकों की ओर से तेज रफ्तार और गलत तरीके से वाहन चलाने की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने ऑटो चालक को पकड़कर उसे समझाया और चेतावनी देकर जाने दिया।

घायल युवक की चोटें फिलहाल गंभीर नहीं बताई जा रही हैं। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी गई है। शहरवासियों ने मांग की है कि लापरवाह ऑटो चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

युवा संगम - रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 18 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को एक ही छत के नीचे रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय सीधी, आईटीआई सीधी एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम - रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 89/PMAY/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 28/10/2025

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कुक्कुट साइट में निर्मित दूकान क्र. 07 (प्रथम तल) क्षेत्रफल 19.98 वर्गमीटर श्री अभिषेक सिंह पिता श्री किशनलाल जाटव निवासी वार्ड क्र 26 रामनिरंजन नगर रीवा (म0प्र0) को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है जिसका नामांतरण श्री अमित कुमार जाटव पिता स्व. श्री किशनलाल जाटव निवासी वार्ड क्र. 26 रामनिरंजन नगर रीवा (म0प्र0) के नाम किये जानें हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त दूकान क्र 07 (प्रथम तल) क्षेत्रफल 19.98 वर्गमीटर के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हों तों सामचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित हो कर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तों ग्रहण की जावेगी न तों मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक श्री अभिषेक सिंह पिता श्री किशनलाल जाटव निवासी वार्ड क्र. 26, रामनिरजन नगर रीवा (म0प्र0) के आवेदन अनुसार उक्त दूकान क्र 07 (प्रथम तल) क्षेत्रफल 19.98 वर्गमीटर का नामांतरण श्री अमित कुमार जाटव पिता स्व श्री किशनलाल जाटव निवासी वार्ड क्र 26 रामनिंरजन नगर रीवा (म0प्र0) के नाम करनें की कार्यवाही की जावेगी।

नोडल अधिकारी (PMAY)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

संघ प्रमुख का निमंत्रण, व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक

संपादकीय

विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम् के विरोध में स्वर सुनाई दिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में एक प्रश्न के उत्तर में यह जो कहा कि संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोग आ सकते हैं, उसकी व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी।

यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है।

उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है?

यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करने के लिए सक्रिय है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर पर यह बार-बार स्पष्ट किया जाता रहे कि हिंदू शब्द से उसका आशय क्या है।

इसी से यह मिथ्या धारणा दूर होगी कि वह संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं उठा रखेंगे।

जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि ऐसी पहल और कोई नहीं करता और न ही संघ की तरह अन्य कोई अपने वैचारिक विरोधियों को सम्मान देता है। विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं।

वंदे मातरम् : भारत की चेतना का स्वर

कैलाश चन्द्र

वंदे मातरम्; यह केवल दो शब्दों का उच्चारण नहीं है, यह तो भारत की आत्मा की अनंत गूंज है। यह उस भावना का प्रतीक है जो प्रत्येक भारतीय के हृदय में अपनी मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम और समर्पण का संचार करती है। इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाखों देशवासियों को प्रेरित तो किया ही, आज भी यह भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक बना हुआ है।

रचना और उद्भव का इतिहास- वंदे मातरम् का उद्भव बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय की लेखनी से हुआ। उन्होंने 7 नवम्बर 1875 को अपने ऐतिहासिक उपन्यास 'आनंदमठ' में इस गीत की रचना की। यह उपन्यास 1882 में प्रकाशित हुआ और शीघ्र ही पूरे देश में लोकप्रिय हो गया। उस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। ऐसे वातावरण में यह गीत भारतीयों के लिए आशा और आत्मविश्वास का दीपक बना। वंदे मातरम् के शब्दों में निहित मातृभूमि की भक्ति ने भारतीयों के हृदय में स्वतंत्रता की चिंगारी जला दी। सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्‌ जैसे शब्द भारत माता के प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्धि की छवि प्रस्तुत करते हैं, वहीं वंदे मातरम्‌ का जयघोष मातृभूमि के चरणों में समर्पण का भाव जगाता है।

राष्ट्रीय चेतना का उदय- 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में जब पंडित रवीन्द्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे सुरों में पिरोकर राष्ट्रीय मंच से गाया, तो पूरा सभागार इस गीत की भावनाओं से अभिभूत हो उठा। यह वह क्षण था जब वंदे मातरम् राष्ट्रीय चेतना का स्वर बन गया। इसके बाद हर कांग्रेस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से होने लगी। 1905 में जब अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन की घोषणा की, तो इस गीत ने आंदोलन की आत्मा का रूप ले लिया। लाखों लोग सड़कों पर वंदे मातरम्‌ के नारे लगाते हुए अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध एकजुट हो गए। यह गीत अब केवल भक्ति या साहित्य नहीं, बल्कि विद्रोह और आत्मसम्मान की पुकार बन गया था।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका- 1906 के कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् को आधिकारिक रूप से राष्ट्रगीत का दर्जा मिला। इसके बाद यह हर राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन का अभिन्न हिस्सा बन गया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी और अन्य नेताओं ने इसे राष्ट्रभक्ति का प्रतीक माना। गांधीजी ने कहा था, वंदे मातरम् भारत के हृदय की पुकार है, जिसे कोई भी शक्ति दबा नहीं सकती। क्रांतिकारी आंदोलनों में भी इसका प्रभाव स्पष्ट दिखा। भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानी वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ फाँसी के तख्ते पर झूल गए। बंगाल में तो वंदे मातरम् संप्रदाय तक बना, जिसके सदस्य प्रभात फेरियों में यह गीत गाकर जनमानस में देशभक्ति का संचार करते थे।

अंग्रेजी शासन की प्रतिक्रिया- ब्रिटिश हुकूमत इस गीत के प्रभाव से भयभीत थी। उन्होंने कई बार इसके सार्वजनिक गायन पर प्रतिबंध लगाया। स्कूलों और कॉलेजों में वंदे मातरम्‌ गाने वाले छात्रों को दंडित किया जाता था। देखने में आया कि यह प्रतिबंध जनता के जोश को दबा नहीं सके। गीत के प्रतिबंधित होने से इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ी। यह ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध भारतीय एकता का प्रतीक बन गया।

वतंत्रता के बाद यह स्कूलों, सरकारी आयोजनों, खेलकूद समारोहों, संसद की बैठकों और कई सरकारी अवसरों पर गाया जाता है। जन भावना से जुड़ा यह गीत आज भी भारत की आत्मा की आवाज है। यह गीत हमें बार-बार स्मरण कराता है कि भारत की महानता उसकी विविधता, उसकी संस्कृति और उसकी मातृभूमि के प्रति प्रेम में निहित है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी पीढ़ियों को इस गीत का अर्थ, इतिहास और महत्व समझाएँ। ताकि भारत माता के प्रति निष्ठा, अनुशासन और त्याग की भावना सदैव प्रज्वलित रहे।वंदे मातरम्!

मौन सर्वप्रियता का एक अचूक साधन, वाकशक्ति का सुनियोजन है वाणी

कांतिलाल मांडोत

बिहार में के विधानसभा चुनाव की ही बात कीजिये।अनर्गल और जूठी वाणी बोलकर राजनेता लोगो से दूर होते जा रहे है।कांग्रेस नेता राहुल,प्रियंका और तेजस्वी जैसे नेता अनर्गल बयानबाजी करते नजर आए।राहुल ने तो बिहार चुनाव में जूठे आरोपो की झड़ी लगा दी।उनकी मन की शक्ति को कारण बिना ही बिखेरते नजर आए।मोदी और भाजपा पर असीमित आरोपो से उनके मन की शक्ति को अनायास बिखेरते नजर आए।कई बार चुनाव आयोग और सतारूढ़ सरकार पर आरोपो की झड़ी लगा दी।लेकिन मोदी पर और चुनाव आयोग पर लगाए जूठे आरोपो पर कभी भी मोदी में पलटवार नही किया।क्योकि मोदी जानते है कि जूठे लोगो के मुह नही लगकर वे अपने देश के विकास कार्यो में समय और शक्ति खर्च करने में अपनी देशभक्ति समझते है।लेकिन विपक्ष जूठे आरोप लगाकर उनको बदनाम करने की कोशिश करते है।मोदी कहते है वे नामदार है और मैं कामदार हूँ।मुझे तो 140 करोड़ लोगों की फिक्र है। लेकिन उनको पांच सात लोग अपने परिवार की चिंता है।बिहार में राहुल ने हरियाणा के नाम पर चुनाव आयोग को घेरा है।उससे कांग्रेस की बिहार में बुरी दशा होगी।मौन रहते तो शायद फायदा होता,लेकिन अब चिडिया चुग गई खेत वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।इसलिए कहा गया है कि मौन व्यक्तित्व को अधिक प्रभावशाली और अधिक लोकप्रिय बनाती है। जो जितना कम बोलता है उसकी वाणी उतनी ही अधिक प्रभावशाली होती है और लोग उसके संकेतों पर, उसके विचारों पर चलने को उद्यत हो जाते हैं। जब मौन टूटता है तो वाणी की शक्ति बिखर जाती है।चिन्तन-शक्ति भी बिखर जाती है और प्राण-शक्ति भी कमजोर पड़ जाती है। मोदी की बात का प्रभाव इसलिए पड़ता है कि मोदी जूठे आरोप नही लगाते है,जैसे तेजस्वी और राहुल लगा रहे है।

कई बार देखा सुना है, मौनी साधक जब दीर्घकाल का मौन खोलते हैं तो उनका पहला शब्द, पहला मंगलपाठ, उनके मुख से निःसृत प्रथम वाणी कुछ अलग ही प्रभावकारी होती है। क्योंकि दीर्घकाल की संचित शक्ति उस वाणी से व्यक्त होती है, जिसका लाभ सुनने वालों को मिलता है। धीरे-धीरे उस मौन की चमत्कारी शक्ति क्षीण पड़ जाती है। सोनिया गांधी जब तक चुप थी, अजेय थी। सर्वप्रिय थी और आलोचनाओं से बची थी। जब बोलने लगी है। उनकी क्या दशा बनी है यह हमारे सामने है। क्योकि सोनिया और राहुल आलोचनाओं से वह कैसे अपना बचाव कर सकते है।क्योंकि कोर्ट से जमानत पर है।

कबीरदास जी का कहना है: वाद विवादे विष वर्धना, बोले बहुत उपाध। मौन गहै सबकी सहे, सुमिरै नाम अगाध॥ बोलने से विवाद बढ़ता है। मौन से सबके साथ मित्रता बनी रहती है।मौन मनुष्य की सर्वप्रियता का एक अचूक साधन है। संस्कृत की सूक्ति है-मौनिनः कलहो नास्ति। मौन रहने वाला कलह से, कटुता से बचता रहता है। मौन एक रक्षा कवच है, ज्ञानियों का भी और मूर्खों का भी। ज्ञानी मौन रहता है, तो उसका वह गुण है, भूषण है और वह अपने सत्य व्रत की रक्षा कर सकता है। लोकप्रियता को बनाये रख सकता है। मूर्ख जब तक मौन रहता है, लोग उसे समझदार समझते हैं। मूर्खता का ढक्कन है मौन।मौन रहने से मन को ताजगी मिलती है। जैसे एक-दो घण्टा की नींद लेने से खोई हुई शक्ति वापस मिल जाती है। थकावट दूर होकर शरीर में ताजगी आ जाती है। उसी प्रकार मौन रहने से विचारों में, मन में ताजगी भर जाती है। विवेक में स्फूर्ति आ जाती है। वाणी में जोश आ जाता है।

बोलने में शक्ति का सर्वाधिक क्षयः मौन का अर्थ है,ऊर्जा के बिखराव को समेटना। अपनी भीतरी शक्ति को संगृहीत कर उच्च-स्तरीय पुरुषार्थ में, आत्म-अभ्युदय के श्रेष्ठ मार्ग में लगाना। एक घण्टा बोलने से जितनी शक्ति नष्ट होती है, उसे वापस प्राप्त करने में कई घण्टा लग जाते हैं। जैसे शरीर को शक्तिमान और बलवान बनाये रखने के लिए ब्रह्मचर्य की महिमा है। उसी प्रकार वाणी को प्रभावशाली बनाये रखने के लिए मौन-साधना का महत्त्व है। घण्टों की संचित शक्ति को क्षीण कर देता है। हम देखते है, अन्तिम समय में मरने से पहले मनुष्य की बोली बंद होती है। वह हाथों व आँखों के इशारे से अपना भाव जताने की चेष्टा करता है। मतलब यह है जब चेतना शक्ति क्षीण होने लगती है तो सबसे पहले वाणी की शक्ति क्षीण होती है। जन्मता बच्चा बोल नहीं पाता, परन्तु हाथ-पैर हिलाकर अपनी पीड़ा व हर्ष की अभिव्यक्ति करता है। सात-आठ महीने बाद बच्चा बोलने लगता है। परन्तु बाकी चेष्टाएँ जन्मते ही शुरू कर देता है। इसका मतलब है- बोलने में सबसे अधिक शक्ति लगानी पड़ती है। जबकि जीभ से सिर-हाथ कितना भारी होता है। अर्थात् इतना बड़ा सिर हिलाने में जितनी शक्ति लगती है उससे भी ज्यादा शक्ति खर्च होती है टके भर की जीभ हिलाने में। मौन कभी भी दूसरों को हानि नहीं पहुँचा सकता, जबकि मनुष्य बोलकर समाज में कलह, विग्रह, विद्वेष, फूट और हिंसा को भड़काता है। दूसरों के दिलों में तीर चुभो सकता है। जितने दंगे, फसाद, खून-खराबा होता है, उनमें भड़कीले भाषण उत्तेजक शब्द ही ज्यादा काम करते हैं। पहले बोली चलती है फिर गोली चलती है।अण्डे देने के बाद मुर्गी यह मूर्खता करती है कि वह चहचहाने लगती है। उसकी चहचहाहट सुनकर डौम कौआ आ जाता है। वह उसके अण्डे छीन लेता है और जो वस्तुएँ उसने अपनी भावी सन्तान के खाने के लिए रखी थीं उन्हें भी वह चट कर जाता है। अगर वह चुप रहती तो इन दोनों आफतों से बच सकती थी।

संसार का इतिहास उठाकर देख लो, जितने भी अनर्थ हुए हैं, युद्ध हुए हैं, नर-संहार हुए हैं, उनके पीछे सबसे बड़ा कारण यह वाणी रही है। बोलने से ही अनर्थ हुए हैं। द्रौपदी अगर एक कटु वचन नहीं बोलती तो महाभारत की विनाश लीला नहीं होती। कुरुक्षेत्र में खून की नदियाँ नहीं बहतीं। अठारह अक्षोहिणी विशाल सेना का विनाश क्यों हुआ एक द्रौपदी के बोलने के कारण। दशरथ यदि कैकेयी को एक वचन नहीं देते, तो न तो राम की जगह भरत का राजतिलक होता, न ही राम वनवास जाते और न ही रावण के साथ युद्ध होता। भगवान महावीर के समय का प्रसंग देख लो, गोशालक भगवान महावीर से संघर्ष करने के लिए आता है। क्रोध में उन्मत्त हुआ भगवान को गालियाँ देता है। अपशब्द कहता है। भगवान को झूठा बताता है। खुद को सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान बताता है। गोशालक का यह प्रलाप सुनकर अनेक लोग उत्तेजित हो जाते हैं। अपने भगवान का अपमान कौन सह सकता है। किन्तु भगवान महावीर स्वयं मौन धारण किये रहते हैं। सबको शान्त करते हैं। कहते हैं-कोई भी साधु नहीं बोलेगा। धर्मसभा में भगवान के दो शिष्य सर्व तू भगवान का शिष्य बना था। इनके साथ-साथ रहा था। इनको अपना धर्म-गुरु माना था और आज तू इनका ही अपमान कर रहा है ! अपने धर्म-गुरु की अवहेलना कर रहा है ! आज भी परिवार, समाज व राष्ट्र के किसी भी क्षेत्र में चले जाइये जितने विग्रह होते हैं, संघर्ष होते हैं, परिवार टूटते हैं, पार्टियाँ टूटती हैं, उनके मूल में कहीं न कहीं बोलना ही मुख्य कारण रहता है। सास-बहू के कलह में यदि सासु मौन रख ले तो बहू अकेली कितनी देर बक-बक करेगी। अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। बिना घास के चिनगारी किसको जलायेगी।सूखी जगह पर गिरी आग अपने आप बुझ जाती है। अकेला व्यक्ति कलह नहीं कर सकता। झगड़ा तभी होता है जब दो मिलते हैं। दोनों में एक मौन साधकर बैठ जाये तो दूसरा अपने आप थोड़ी देर में शान्त होकर चला जायेगा। कलह के प्रसंग पर मौन शान्ति का उपाय है। विपत्ति के समय मौन धीरज देता है और मन के भीतर नया प्रकाश फैलाता है। मौन से आत्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। भगवान महावीर ने अपने साधनाकाल में साढ़े बारह वर्ष तक मौन तप किया था। दीक्षा लेते ही उन्होंने संकल्प कर लिया था कि मैं आवश्यकता होने पर केवल पाँच वाक्य ही बोलूँगा। भगवान ऋषभदेव ने 12 मास तक मौन व्रत धारण किये रखा। शिष्यों ने कितना ही पूछा प्रभु ! हमें बताइये हम क्या ग्वायें कहाँ रहें परन्तु भगवान कुछ भी नहीं बोले। ऐसा कठोर मौन व्रत धारण किये रहे। जितने भी तीर्थंकर होते हैं छद्मस्थ काल में दीक्षा लेने के बाद जब तक केवलज्ञान प्राप्त नहीं होता मौनपूर्वक तप करते रहते हैं। इस अखण्ड मौन तप के पीछे क्या उद्देश्य है। यही कि मौन से वाणी का संयम होता है, ध्यान में एकाग्रता बढ़ती है और आत्मिक ऊर्जा प्रगट होती है। मौन योग साधना, ध्यान साधना है। हमारे मुँह से निकला प्रत्येक शब्द मन पर गहरा प्रभाव डालता है। एक संस्कार छोड़ता है, उस संस्कार से वातावरण निर्मित होता है। वातावरण से जीवन बनता है। हमारी जिह्वा से निकला प्रत्येक शब्द हमारे भाग्य का निर्माण करता है। हमारे आसपास केवायुमण्डल का निर्माण करता है। मुँह से निकला शब्द एक बीज है, जो मन की भूमि पर धीरे-धीरे अंकुरित होता है। इसलिए शब्द का प्रयोग करते समय बहुत सावधानी बरतना है। अच्छे शब्द बोलने वाले परिवारों के बालकों में अपने आप अच्छे संस्कार निर्माण होते हैं। जबकि बुरे, गंदे शब्द बोलने वाले परिवारों के बच्चों में माता-पिता, परिवार की बोली सुनकर वैसे ही संस्कार पनपने लगते हैं।

सोशल मीडिया के दौर में गिरता पत्रकारिता का स्तर, कहीं लूट तो कहीं खुलेआम डकैती!

आज के डिजिटल युग में सूचना की रफ्तार पहले से कहीं अधिक तेज़ हो गई है। सोशल मीडिया ने खबरों के प्रसार को तो आसान बना दिया, लेकिन इसके साथ ही पत्रकारिता की साख और विश्वसनीयता पर गहरे सवाल भी खड़े कर दिए हैं। एक समय था जब पत्रकारिता को समाज का चौथा स्तंभ कहा जाता था — जहाँ सच्चाई, निष्पक्षता और जनहित सर्वोपरि हुआ करते थे। लेकिन आज यह स्तंभ कहीं न कहीं हिलता नज़र आ रहा है।

अब खबरों की सच्चाई से ज़्यादा उनका 'वायरल' होना मायने रखने लगा है। खबरें इस तरह तैयार की जाती हैं कि वे क्लिक लाएँ, व्यूज़ बढ़ाएँ और सोशल मीडिया पर ट्रेंड करें। इस दौड़ में पत्रकारिता का असली उद्देश्य — समाज को जागरूक करना और सत्ताधारियों से सवाल पूछना — पीछे छूटता जा रहा है।

आज स्थिति यह है कि फेक न्यूज़, आधी-अधूरी जानकारी और सनसनीखेज़ सुर्खियाँ आम हो चुकी हैं। कोई वीडियो बिना पुष्टि के शेयर हो जाता है, कोई बयान तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है, और कुछ ही मिनटों में पूरी जनता उस पर राय बनाने लगती है। इस बेपरवाह सूचना की लहर में सच और झूठ का फर्क मिटता जा रहा है।

दुख की बात यह है कि कई मीडिया संस्थान भी इस प्रवाह में बह गए हैं। जहाँ पहले खबरें ज़मीन से उठती थीं, अब वही खबरें पैसे, प्रचार और राजनीतिक दबाव में गढ़ी जाने लगी हैं। कहीं सत्ताधारियों की आलोचना करना देशविरोधी करार दिया जाता है, तो कहीं सच्चाई दिखाने वाले पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है। यह परिदृश्य लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक है।

पत्रकारिता अब केवल खबर नहीं, एक व्यापार बन गई है। बड़े मीडिया हाउस विज्ञापनों और प्रायोजकों के दबाव में झुकते नज़र आते हैं। वहीं छोटे पत्रकार आर्थिक तंगी और सुरक्षा के अभाव में सच्चाई सामने लाने से कतराने लगे हैं। नतीजा यह है कि खबरों की जगह अब प्रचार दिखाया जा रहा है, और जनता धीरे-धीरे भरोसा खोती जा रही है।

सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को पत्रकार बनने का मंच दे दिया है, परंतु हर व्यक्ति सच्चाई की जिम्मेदारी नहीं निभा पाता। जो दिखता है, वही सच माना जाने लगा है — और यहीं से शुरू होती है अफवाहों की डकैती। कभी किसी की छवि खराब की जाती है, तो कभी झूठी सूचनाओं से समाज में नफ़रत फैलाई जाती है।

अब वक्त है कि पत्रकारिता खुद का आत्ममंथन करे। पत्रकारों को फिर से अपने मूल सिद्धांतों की ओर लौटना होगा — निष्पक्षता, साहस और सत्य के प्रति समर्पण। मीडिया संस्थानों को व्यावसायिक हितों से ऊपर उठकर जनता के हित को प्राथमिकता देनी होगी।

समाज तभी जागरूक बन सकता है जब उसकी जानकारी सच्ची और निष्पक्ष हो। अगर खबरों में सच्चाई नहीं होगी, तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए पत्रकारिता को फिर से वही ईमानदार आवाज़ बनना होगा जो सत्ता से सवाल करे, जनता के हक की बात करे और सच को सच कहने का साहस रखे। वरना यह खबरों की दुनिया सच में अफवाहों का बाज़ार बन जाएगी — जहाँ सच्चाई बिकेगी, और झूठ हेडलाइन बनेगा।

दिव्य पुष्पक विमान कैसा था

पुष्पक विमान का वर्णन प्राय-सभी श्रीरामकथाओं में वर्णित है किन्तु इसका वर्णन विस्तृत न होकर अत्यन्त ही लघुरूप में रहता है। पुष्पक विमान का वर्णन युद्धकाण्ड (लंकाकाण्ड) में आरम्भ होकर इसी काण्ड में समाप्त हो जाता है किन्तु वाल्मीकि रामायण में इसका वर्णन सुन्दरकाण्ड से प्रारम्भ होकर युद्धकाण्ड में अत्यन्त विस्तृत रूप से दिया गया है। पुष्पक विमान का इतिहास, उसकी विशेषता उस समय के विज्ञान का श्रेष्ठ होना सिद्ध करता है। वर्तमान नई पीढ़ी की उसकी जिज्ञासा, आस्था एवं विज्ञान का यह वर्णन आनन्ददायक प्राप्त होगा। अत-इस रामायण के विभिन्न काण्डों में से चुन-चुनकर वर्णन किया गया है। इसमें पुष्पक विमान की विस्तारपूर्वक विशेषताएँ बतलाई गई है।

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता मानसश्री

हनुमानजी सीताजी की खोज करते-करते लंका के विशाल भवन जिसमें सैकड़ों अट्टालिकाएँ थीं, सैकड़ों रमणीय रत्नों से व्याप्त थीं, वहाँ पहुँचे। उसकी ड्योढ़ियाँ बहुत बड़ी-बड़ी थीं। ऐसे विशाल भवन में हनुमानजी के प्रवेश का यह प्रसंग वाल्मीकि रामायण में सर्वप्रथम सुन्दरकाण्ड में वर्णित है। वे भवन बड़े प्रयत्न से बनाए गए थे और ऐसे अद्भुत लगते थे, मानों साक्षात् मयदानव ने ही इनका निर्माण किया हो। हनुमानजी ने उन्हें देखा, लंकापति रावण के वे घर इस भूतल पर सभी गुणों में सबसे बढ़-चढ़कर थे। तदनन्तर उन्होंने राक्षसराज रावण का उसकी शक्ति के अनुरूप अत्यन्त उत्तम और अनुपम पुष्पक विमान देखा जो मेघ के समान ऊँचा सुवर्ण के समान सुन्दर कान्तिवाला तथा मनोहर था। वह इसे भूतल पर बिखरे हुए स्वर्ण के समान जान पड़ता था। अपनी कान्ति से प्रज्वलित सा हो रहा था। अनेकानेक रत्नों से व्याप्त, भाँति-भाँति के वृक्षों के फूलों से आच्छादित तथा पुष्पों के पराग से भरे हुए पर्वत-शिखर के तुल्य शोभा पा रहा था। वह विमान रूप भवन विन्ध्यमालाओं से पूजित मेघ के समान रमणीय रत्नों से देदीप्यमान हो रहा था और श्रेष्ठ हंसों द्वारा आकाश में ढोये जाते हुए विमान की गति जान पड़ता था। वह अद्भुत शोभा से सम्पन्न दिखाई देता था।

जैसे अनेक धातुओं के कारण पर्वत शिखर, ग्रहों और चन्द्रमा के कारण आकाश तथा अनेक वर्णों से युक्त होने के कारण मनोहर मेघ विभिन्न शोभा धारण करते हैं। उसी तरह नाना रत्नों से निर्मित होने के कारण वह पुष्पक विमान भी विचित्र शोभा से सम्पन्न दिखाई देता था। उस पुष्पक विमान की आधार भूमि (आरोहियों के खड़े होने का स्थान) सोने और मणियों के द्वारा निर्मित कृत्रिम पर्वत-मालाओं से पूर्ण बनी हुई थी। वे पर्वत वृक्षों की विस्तृत पंक्तियों से हरे भरे रचे गए थे। वे वृक्ष फूलों के बाहुल्य से व्याप्त बनाए गए थे ताकि पुष्प भी केसर एवं पंखुड़ियों से पूर्ण निर्मित हुए थे। उस विमान में श्वेतभवन बने हुए थे। सुन्दर फूलों से सुशोभित पोखरे बनाए गए थे। केसरयुक्त कमल, विचित्र वन और अद्भुत सरोवरों का भी निर्माण किया गया था।

पुष्पाह्वयं नाम विराजमानं म्
रत्नप्रभामिश्च विघूर्णमान
वेश्मोतमानामपि चोच्चमानं
महाकविस्तत्र महाविमानम्।

वाल्मीकिरामायण सुन्दरकाण्ड सर्ग 7-11

महाकपि हनुमान ने जिस सुन्दर विमान को वहाँ देखा, उसका नाम पुष्पक था। वह रत्नों की प्रभा से प्रकाशमान था और इधर-उधर भ्रमण करता था। देवताओं के गृहाकार उत्तम विमानों में सबसे अधिक आदर उस महाविमान पुष्पक का ही होता था।

पुष्पक विमान में नीलम, चाँदी और मूँगों के आकाशचारी पक्षी बनाए गए थे। नाना प्रकार के रत्नों से विचित्र वर्ण के सर्पों का निर्माण किया गया था और अच्छी नस्ल (जाति) के घोड़ों के समान सुन्दर-सुन्दर अंगवाले अश्व भी बनाए गए थे। उस विमान पर सुन्दर मुख और मनोहर पंखवाले बहुत से ऐसे विहंगम पक्षी निर्मित हुए थे, जो साक्षात् कामदेव के सहायक जान पड़ते थे। उनकी पंखें मूंगे और सुवर्ण के बने हुए फूलों से युक्त थीं तथा उन्होंने लीलापूर्वक अपने बाँके पंखों को समेट रखा था।

उस विमान के कमलमण्डित सरोवर में ऐसे हाथी बनाए गए थे कि लक्ष्मी के अभिषेक कार्य में नियुक्त थे। उनकी सूँड बड़ी ही सुन्दर थी। उनके अंगों में कमलों के केसर लगे हुए थे तथा उन्होंने अपनी सुण्डों में कमल पुष्प धारण किए थे। उनके साथ ही साथ वहाँ तेजस्विनी लक्ष्मीदेवी की प्रतिमा भी विराजमान थी जिनका उन हाथियों के द्वारा अभिषेक हो रहा था। उनके हाथ बड़े सुन्दर थे। उन्होंने अपने हाथ में कमलपुष्प धारण कर रखा था। इस प्रकार सुन्दर कन्दराओं ावले पर्वत के समान तथा वसन्त ऋतु में सुन्दर कोटों वाले परम सुगन्धयुक्त वृक्ष के समान उस शोभायमान मनोहर विमान में पहुँचकर हनुमानजी बड़े विस्मित हुए और तुरन्त वह दुःखी भी हो गए क्योंकि सीताजी इनमें उन्हें कहीं नहीं दिखाई दी।

रावण के भवनके मध्य भाग में खड़े हनुमानजी ने पुनः पुष्पक विमान देखा। उसके सौन्दर्य और रचना की दृष्टि से मापा नहीं जा सकता है। स्वयं विश्वकर्मा ने उसे बनाया था। रावण ने निराहार रहकर तप किया और भगवान के चिन्तन में चित्त को एकाग्र किया था, इससे मिले हुए पराक्रम से उसने उस विमान पर अधिकार प्राप्त किया था। मन में जहाँ कहीं भी जाने का संकल्प उठता वहीं वह विमान पहुँच जाता था।

ब्रह्मणोऽर्थे कृतं दिव्य दिवि यद् विश्वकर्मणा।
विमानं पुष्पकं नाम सर्वरत्नविभूषितम्।।
परेण तपसा लेभे यत कुबेरः पितामहात।
कुबेरमोजसा जित्वा लेभे तद् राक्षसेश्वरः।।

वाल्मीकिरामायण सुन्दरकाण्ड सर्ग 9-11-12

सब प्रकार के रत्नों से विभूषित पुष्पक नामक दिव्य विमान स्वर्गलोक में विश्वकर्मा ने ब्रह्माजी के लिए बनाया था। कुबेर ने बड़ी तपस्या करके उसे ब्रह्माजी से प्राप्त किया और फिर कुबेर को बलपूर्वक परास्त करके राक्षसराज रावण ने उसे अपने हाथ में कर लिया।

हनुमानजी ने देखा कि लंकावर्ती सर्वश्रेष्ठ गृह के मध्य भाग में एक उत्तम भवन शोभायमान था। वह बहुत ही निर्मल एवं विस्तृत था। उसकी लम्बाई एक योजन और चौड़ाई आधा योजन थी। सीताजी की खोज करते-करते हनुमानजी सब ओर घूम रहे थे। घूमते-घूमते वे रावण के निजी निवास में पहुँच गए। नर-नारियों से भरा हुआ वह कोलाहलपूर्ण भवन महासागर के समान प्रतीत हो रहा था। जो लक्ष्मी, कुबेर, चन्द्रमा और इन्द्र के यहाँ निवास करती हैं वे ही और भी सुरम्य रूप से रावण के घर में नित्य ही निश्चल होकर रहती थी। उस महल के मध्य भाग में एक दूसरा भवन पुष्पक विमान था। जिसे हनुमानजी ने फिर देखा। हनुमानजी उस दिव्य पुष्पक विमान पर चढ़ गए। यहाँ बैठकर वे दिव्य गंध सूंघने लगे। सुगंध जहाँ से आ रही थी वहाँ हनुमानजी प्रस्थित हुए। आगे उनको एक और बड़ी हवेली दिखी, जहाँ बहुमूल्य बिछोने बिछे हुए थे और रावण वहाँ निवास करता था। वहाँ हनुमानजी को कहीं भी सीताजी नहीं दिखी।

पुष्पक विमान की एक और विशेषता वाल्मीकि रामायण के युद्धकाण्ड में देखने को प्राप्त होती है। मेघनाद नागपाश (नागमय बाणों) में श्रीराम और लक्ष्मणजी को बाँध देता है तथा अपने पिता रावण से यह सारा वृत्तांत सुनाता है, तब रावण उस समय सीता की रक्षा करने वाली राक्षसियों को बुलवाता है, आज्ञा पाते ही त्रिजटा तथा अन्य राक्षसियाँ उनके पास आईं। तब हर्ष में भरे हुए रावण ने उन राक्षसियों से कहा-

हताविन्द्रजिताख्यात वैदेह्या रामलक्ष्मणौ।
पुष्पकं तत्समारोप्य दर्शयध्वं रणे हतौ।।

वाल्मीकिरामायण युद्धकाण्ड सर्ग 47-7

तुम लोग विदेह कुमारी सीता से जाकर कहा कि इन्द्रजीत ने राम और लक्ष्मण को मार डाला। फिर पुष्पक विमान पर सीता को चढ़ाकर रणभूमि में ले जाओ और उन मारे गए दोनों बन्धुओं को दिखा दो।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बीजापुर में नक्सल उन्मूलन एवं अंदरूनी क्षेत्रों में विकास कार्यों की ली समीक्षा

सुरक्षा कैंपों से बढ़ा विश्वास, विकास की र तार में आई तेजी : उपमुयमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने बीजापुर जिले के दो दिवसीय प्रवास के दौरान आज इन्द्रावती सभाकक्ष में नक्सल उन्मूलन एवं अंदरूनी क्षेत्रों में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने नक्सल उन्मूलन की गतिविधियों, नवस्थापित सुरक्षा कैम्पों की स्थिति, उनके संचालन से आए सकारात्मक सामाजिक बदलावों तथा उन क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

सुरक्षा कैम्पों से बदली स्थिति: बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने पिछले दो वर्षों में नक्सली गतिविधियों में आई कमी, पुनर्वासन करने वाले युवाओं की संख्या, गिरफ्तारियाँ, आईईडी बरामदगी, तथा हथियारों की जब्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के बाद दूरस्थ इलाकों में प्रशासनिक पहुंच बढ़ी है और आम जनता में सुरक्षा के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

विकास योजनाओं की समीक्षा: उपमुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी, सड़क, बिजली, पेयजल और संचार सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों की भी समीक्षा की।

कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के बाद 166 गांव अब ÷नियद नेल्ला नार योजना÷ में शामिल किए गए हैं, जिसके तहत सभी बुनियादी सुविधाएं और शासन की योजनाएं पहुंचाने का कार्य योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर बल: श्री शर्मा ने भैरमगढ़ ब्लॉक के नदी पार सात गांवों में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप की सराहना की और कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को और व्यापक स्तर पर पहुंचाने की दिशा में नई योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन्द्रावती नदी किनारे बसे पंचायतों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए मोटर बोट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, प्रत्येक गांव में आशा एवं मितानिन कार्यकर्ता की नियुक्ति शीघ्र करने के निर्देश दिए।

वनाधिकार एवं योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष जोर

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत चिन्हांकित सभी गांवों में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वनाधिकार पत्र प्रत्येक पात्र हितग्राही को जल्द प्रदान किए जाएं। इसके लिए पूर्व में स्थापित सुरक्षा कैम्पों वाले सभी गांवों में नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर वितरण सुनिश्चित करने को कहा।

महिला समूहों को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में पहल

श्री शर्मा ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए लघु वनोपज के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं वैल्यू एडिशन पर ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने महुआ, टोरा, इमली, चिरौंजी जैसी स्थानीय वनोपजों का वैज्ञानिक संग्रहण एवं प्रसंस्करण कर वैल्यू एडिशन आधारित आयवृद्धि मॉडल लागू करने के निर्देश दिए। इस बैठक में बस्तर संभाग आयुक्त श्री डोमन सिंह, आईजी श्री सुंदरराज पी., कलेक्टर श्री संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, डीएफओ श्री रंगानाथन रामाकृष्णन वाय., सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता चौबे, उपनिदेशक इन्द्रावती टाइगर रिजर्व श्री संदीप बलगा सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बाल दिवस पर बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान "हर बालिका राष्ट्र की पूंजी" थीम पर हुआ सृजनात्मक आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हल्दीबाड़ी चिरमिरी में आज बाल दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत कहानी लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का प्रेरणादायी आयोजन किया गया। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की थीम हर बालिका राष्ट्र की पूंजी और कहानी लेखन प्रतियोगिता का विषय मेरे सपनों का भविष्य रखा गया। इस आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं को अपने विचारों, सपनों और आकांक्षाओं को सृजनात्मक रूप में व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

संचालन जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने किया। छात्राओं ने अपनी भावनाओं को आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त करते हुए ऐसी कहानियाँ प्रस्तुत कीं जिनमें उनके उज्ज्वल भविष्य और सशक्त भारत की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य चंदन दत्ता, शिक्षिकाएँ, मिशन शक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग की वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ अनीता कुमारी शाह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर अमीषा कुशवाहा की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बनाया।

यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि बालिकाओं के आत्मविश्वास, सृजनशीलता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों द्वारा श्रेष्ठ कहानियों का चयन किया गया और प्रतिभागी बालिकाओं को प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय परिसर उत्साह, उल्लास और प्रेरणा के वातावरण से गूंज उठा, जहाँ प्रत्येक बालिका ने अपने भीतर की शक्ति और संभावनाओं को पहचानने का संकल्प लिया।

6 दिनों में करीब 43 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ, बांटे गणना प्रपत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढ्र) के तहत अब तक करीब 43 लाख मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कि प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या का लगभग 21 प्रतिशत है। विगत 4 नवम्बर से एसआईआर की शुरूआत के बाद से बीएलओ घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या दो करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 है।

मधुमक्खी पालन विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण का सफल समापन

अम्बिकापुर, एजेंसी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल के निर्देशन एवं विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. एस.एस. टुटेजा के मार्गदर्शन में, कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा में नेशनल बीकीपिंग एंड हनी मिशन (ह्क्चरू)के अंतर्गत मधुमक्खी पालन विषय पर सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतापपुर विधानसभा विधायक शकुंतला पोर्ते रहीं, जो ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों से जुड़ीं। उन्होंने कृषकों को मधुमक्खी पालन अपनाकर अधिक लाभ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया तथा बताया कि सरगुजा जिले में सरसों की फसल का रकबा अधिक होने के कारण यहाँ मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएँ हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा के प्रभारी डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि सरगुजा संभाग में मधुमक्खी पालन एक संभावनाओं से भरा व्यवसाय है। इसी उद्देश्य से सूरजपुर जिले के 25 कृषकों को सात दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें प्रायोगिक अध्यन पर विशेष जोर दिया गया ताकि प्रतिभागियों में आत्मविश्वास विकसित हो सके। श्री जे.एस. मरावी, उप संचालक उद्यानिकी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और मधुमक्खी पालन प्रारंभ करने हेतु पेटियों की उपलब्धता पर भी चर्चा की। डॉ. पी.एस. राठिया, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय प्रतापपुर ने आलू उत्पादन तकनीक एवं मधुमक्खी के विस्तार के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. के.एल. पैंकरा, सहायक संचालक अनुसंधान ने कहा कि मधुमक्खी पालन समन्वित कृषि प्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिससे किसान कम लागत में अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि हनी मिशन के तहत अधिक से अधिक कृषकों को इस व्यवसाय से जोड़ने की आवश्यकता है, क्योंकि मधुमक्खी पालन से न केवल शहद व मोम जैसे उत्पाद प्राप्त होते हैं, बल्कि फसल उत्पादन में भी 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि होती है। प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वीरेंद्र कुमार, कार्यक्रम सहायक, कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा ने आभार प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण प्रभारी श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता सहित केन्द्र के समस्त कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप कारीआम-बसंतपुर मार्ग और गौरेला-वेंकटनगर मार्ग में तेजी से चल रहा है बीटी पेच रिपेयर का कार्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप कारीआम-बसंतपुर मार्ग और गौरेला-वेंकटनगर मार्ग में तेजी से चल रहा है बीटी पेच रिपेयर का कार्य उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव की घोषणा के अनुरूप गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के कारीआम-बसंतपुर मार्ग, जो कि जिला मुख्यालय एवं बिलासपुर आवागमन का मुख्य मार्ग है और गौरेला-वेंकटनगर मार्ग मध्य प्रदेश की सीमा से लगा हुआ अंतरराज्यीय मार्ग है। दोनों मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य तेजी से चल रहा है। यह कार्य लोक निर्माण विभाग पेंड्रा संभाग पेंड्रारोड द्वारा किया जा रहा है।

विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि उक्त दोनों मार्गों में यातायात घनत्व अधिक होने के कारण मार्ग जर्जर हो गया है। जिससे मार्ग में बार-बार डब्ल्यू.एम.एम. पेच से मरम्मत कार्य करना पड़ता है। वर्तमान में मार्ग की पूरी चौड़ाई में डब्ल्यू.एम.एम. 150 एम.एम. मोटाई, बी.एम. 50 एम.एम. मोटाई और एम.एस.एस. 20 एम.एम. मोटाई में पेच रिपेयर के अंतर्गत कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि चिन्हाकित मार्गों का मरम्मत 31 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि विभागीय मंत्री श्री अरुण साव ने 10 अक्टूबर 2025 को घोषणा की थी कि वर्षा ऋतु के पश्चात सड़कों के रख-रखाव एवं मरम्मत का कार्य शीघ्र ही तेजी से किया जाएगा।

भाग संख्या 134 रतनपुर के बीएलओ ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ईएफ फॉर्म

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत आज रतनपुर क्षेत्र के भाग संख्या 134 के बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ चौथ कुमार पटेल द्वारा स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल को (गणना पत्रक) प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंत्री जायसवाल ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाले इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना लोकतंत्र में उसकी सशक्त भागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ें, सुधार कराएं या आवश्यक परिवर्तन करवाएं ताकि आगामी चुनावों में वे अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें।

बीएलओ द्वारा ईएफ फॉर्म प्रदान किए जाने का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया से जोड़ना है ताकि इस अभियान के प्रति जन जागरूकता बढ़े और कोई भी योग्य नागरिक का नाम छूटे नहीं तथा कोई भी अयोग्य व्यक्ति का नाम जुड़े नहीं। इस दौरान बीएलओ ने मतदाता सूची अद्यतन की प्रक्रिया, ऑनलाइन सुविधा और नए पंजीकरण के लिए उपलब्ध पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क कर रहे हैं ताकि शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने इस पहल को सशक्त लोकतंत्र का आधार बताते हुए कहा कि एक मत भी देश की दिशा और दशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों को प्रेरित किया कि वे अपने आस-पास के लोगों को भी मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए प्रेरित करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बीएलओ ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत पात्र मतदाताओं को उनके घरों तक फॉर्म पहुँचाए जा रहे हैं तथा बूथ स्तर पर सहायता केंद्र भी बनाए गए हैं। वहीं ई-मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया को भी अधिक सरल बनाया गया है ताकि युवा मतदाता और नए पंजीकरणकर्ता आसानी से ऑनलाइन आवेदन कर सकें। रतनपुर क्षेत्र में चल रहे इस अभियान के तहत जनजागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित की जा रही हैं, जिनमें नुक्कड़ संवाद, पोस्टर प्रदर्शन और विद्यालय स्तर पर मतदाता बने युवा थीम पर कार्यक्रम शामिल हैं। (गणना पत्रक) वितरण का यह चरण जिले के लिए एक उदाहरण बन गया है जहाँ जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है।

प्राकृतिक विविधता के अध्ययन के लिए देशभर से आए प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

बारनवापारा अभयारण्य में बटर लाई एंड मॉथ सर्वे 2025 सपन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बारनवापारा अभ्यारण्य में तीन दिवसीय बटर फ्लाई एंड मॉथ सर्वे 2025 का आयोजन 6 से 8 नवम्बर तक किया गया। सर्वेक्षण में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को विभिन्न टीमों में विभाजित कर अभयारण्य के विभिन्न हिस्सों जैसे घने वनों, घास के मैदानों, जलस्रोतों के आसपास और ग्रामीण सीमाओं में तितलियों और मॉथ की विविधता का अध्ययन कराया गया।

प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक जोड़ने का अवसर: सर्वे की शुरुआत 6 नवम्बर की दोपहर परिचय सत्र से हुई, जहाँ प्रतिभागियों को बारनवापारा अभ्यारण्य की जैव विविधता, संरक्षण कार्यों एवं इतिहास की जानकारी दी गई। इसके बाद सभी को बार पर्यटन ग्राम का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने बार म्यूज़ियम, हेरिटेज स्टे होम्स और रेस्ट हाउस का अवलोकन किया। शाम को एक विशेष छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने प्रतिभागियों को स्थानीय परंपराओं, लोककला और संस्कृति से जोड़ने का अवसर प्रदान किया।

तितलियों की विविधता का अवलोकन कराया गया

7 नवम्बर की सुबह और शाम को सभी प्रतिभागियों को अलग-अलग बटरफ्लाई सर्वे ट्रेल्स पर ले जाया गया, जहाँ उन्होंने विभिन्न तितली प्रजातियों की पहचान, उनके व्यवहार और आवासों का अध्ययन किया। इसी के साथ रात्रि को मॉथ सर्वे आयोजित किया गया जो वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से सम्पन्न हुआ। अगली सुबह प्रतिभागियों को पुनः सर्वे ट्रेल पर ले जाया गया, जहाँ उन्होंने तितलियों की विविधता का अवलोकन किया और अपने डेटा को अंतिम रूप दिया। इसके पश्चात समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों, विशेषज्ञों एवं वालंटियर्स को प्रमाण पत्र और पौधे स्मृति स्वरूप भेंट किए गए।

औषधीय पौधों की खोज यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

उत्तर बस्तर कांकेर, एजेंसी। कांकेर वनमण्डल के वन परिक्षेत्र कोरर अंतर्गत शनिवार को उप परिक्षेत्र हाटकर्रा के परिसर बनोली में बी.एम.सी. समितियों का औषधीय पौधों की खोज यात्रा कार्यक्रम रखा गया, जिसमें वन मंडलाधिकारी कांकेर श्री रौनक गोयल, उप वनमंडलाधिकारी कोरर जसवीर सिंह मरावी, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोरर बी.एस. सूर्यवंशी की उपस्थिति में वैद्यराज व अन्य प्रोफेसर के माध्यम से जड़ी बूटियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता और उससे जुड़े ज्ञान का संरक्षण, जैविक संसाधनों का संतुलित उपयोग, संसाधनों का प्रबंधन, सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

भाजपा नागपुर मंडल में निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR-2025) कार्यशाला संपन्न

जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले के निर्देशन में हनुमान मंदिर प्रांगण में हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, नागपुर (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी नागपुर मंडल के तत्वावधान में हनुमान मंदिर प्रांगण में निर्वाचन नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण SIR-2025 विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यशाला में भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम के प्रभारी आशीष मजूमदार तथा सह प्रभारी रमाशंकर सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। साथ ही मंडल अध्यक्ष मुनीम सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर निर्वाचन नामावली के विशेष पुनरीक्षण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई एवं कार्यकर्ताओं को क्षेत्रीय स्तर पर मतदाता सूची में सुधार एवं नए नाम जोड़ने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल महामंत्री अमित राय, रजबल, मंडल उपाध्यक्ष मनोज कुमार शुक्ला, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष जितेंद्र राय, राम सिंह, मानिक लाल राय, मीडिया प्रभारी महेश साहू, दीपक यादव, सरोज जयसवाल, प्रतिमा जयसवाल, मान कुंवर, कन्याकुमारी, सुनीता सिंह, रामा यादव, सरजू प्रसाद, फूल साय, महावीर, आर्यन कुमार, चंद्रिका, सुरेश देशमुख, रामकिशन, राम जीत साहू, महेश, लाल, मुंशी, राम देव प्रसाद, आनंद सिंह, अमित कुमार रक्सेल, नंदकुमार, वीरेंद्र कुमार, ज्ञानेंद्र सिंह पावले, अखिलेश निगम, रामकृष्ण जल, मनोहर, कुशल यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शुरूआती 5 दिनों में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ, गणना प्रपत्र वितरित

सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जा रहे बीएलओ, गणना प्रपत्र और घोषणा प्रपत्र देने के साथ दस्तावेज कर रहे संकलित

डीईओ, ईआरओ और एईआरओ मतदान केंद्र स्तर पर कर रहे सतत मॉनिटरिंग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढ्र) का काम जोरों पर है। विगत 4 नवम्बर को इसकी शुरूआत के बाद से बीएलओ प्रारंभिक पांच दिनों (4 नवम्बर से 8 नवम्बर तक) में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरित कर चुके हैं। राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर बीएलओ गणना प्रपत्र और घोषणा प्रपत्र देने के साथ ही आवश्यक दस्तावेज भी संकलित कर रहे हैं। राज्य में पंजीकृत दो करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 मतदाताओं में से अब तक 29 लाख 29 हजार 125 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं जो कि लक्ष्य का 14 प्रतिशत है।

एसआईआर ¬ शुरूआती 5 दिनों में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ, गणना प्रपत्र वितरित

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्र स्तर पर एसआईआर के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

एसआईआर के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बीएलओ सक्रियता से मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं। राज्य शासन के मुख्य सचिव श्री विकास शील के घर भी उनके मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी ने गणना प्रपत्र देकर आवश्यक दस्तावेज संकलित किए। बीएलओ ने नवा रायपुर स्थित उनके शासकीय आवास जाकर प्रारूप-08 और घोषणा प्रपत्र प्रदान किया। मुख्य सचिव श्री विकास शील को अधिकारियों ने इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं आवश्यक विवरण की जानकारी दी। टीम ने गणना प्रपत्र में आवश्यक जानकारी भरकर उसे पूर्ण रूप से संकलित किया। मुख्य सचिव श्री विकास शील ने सभी पात्र नागरिकों से एसआईआर में सक्रिय भागीदारी और सहयोग करने की अपील की है।

एसआईआर के अंतर्गत बीएलओ रायपुर में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-50 (रायपुर उत्तर) के देवेन्द्र नगर में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री यशवंत कुमार के भी घर पहुंचे और उन्हें गणना प्रपत्र व घोषणा प्रपत्र देकर आवश्यक जानकारी संकलित की।

पिपरिया में कमिश्नर-कलेक्टर ने कृषि मंडी का किया निरीक्षण

भावांतर योजना का फीडबैक लेकर किसानों से डेढ़ घंटे चर्चा की

पिपरिया, एजेंसी। पिपरिया में सोमवार को कमिश्नर के.जी. तिवारी और कलेक्टर सोनिया मीना ने कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने भावांतर योजना के तहत किसानों से खरीदी जा रही सोयाबीन फसल की प्रक्रिया का जायजा लिया। कमिश्नर और कलेक्टर ने मंडी में सोयाबीन बेचने आए किसानों से करीब डेढ़ घंटे तक चर्चा की। इस दौरान भावांतर योजना के तहत मिल रही अंतर की राशि पर फीडबैक लिया गया। किसानों ने नगद भुगतान की मांग रखी, जिसे अधिकारियों ने पारदर्शिता के लिए आवश्यक बताते हुए इनकार कर दिया। उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों और व्यापारियों से भी बातचीत की।

सचिव ने डीएपी खाद की समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया: मंडी सचिव ने बताया कि फसल में नमी और साफ-सफाई न होने के कारण किसानों को अक्सर बेहतर मूल्य नहीं मिल पाता है। इसलिए किसानों से लगातार साफ-सुथरी और नमी रहित उपज लाने की अपील की जा रही है। पनारी के किसान मनोहर पटेल ने डीएपी खाद वितरण में आ रही समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया। इस पर कमिश्नर ने जिला सहकारी बैंक और खाद वितरण अधिकारियों को किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सोयाबीन फसल के बेहतर औसत मूल्य और विक्रय मूल्य व समर्थन मूल्य के अंतर की राशि खाते में अंतरित होने के सवाल पर किसानों ने सहमति जताई। अधिकारियों ने मंडी सचिव को किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारू रखने के निर्देश भी दिए।

खाद और उर्वरक वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की: मंडी निरीक्षण के दौरान खाद और उर्वरक वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपस्थित किसानों से डीएपी के ऑप्शनल उर्वरकों जैसे एनपीके और एसएसपी का उपयोग करने की अपील की गई, जिनकी उर्वरक क्षमता डीएपी के समान ही प्रभावी होती है। कमिश्नर ने गोदाम प्रभारी को किसानों को डीएपी के ऑप्शनल उर्वरकों के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम आकिप खान, उपसंचालक कृषि जे.आर. हेडाऊ, डीएमओ मार्कफेड देवेंद्र यादव, मंडी सचिव चंद्र शिवराम ऊईके सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मप्र के रीवा में बेकाबू स्कॉर्पियो ने सड़क पार रहे लोगों की कुचला

रीवा, एजेंसी। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत रीवा-प्रयागराज मार्ग पर रविवार की शाम एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पार कर रहे लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में दो बच्चों समेत चारों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, रीवा-प्रयागराज मार्ग पर ग्राम तेंदुआ कोठार के पास कुछ लोग पैदल सड़क पार कर रहे थे और एक व्यक्ति बाइक पर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में चारों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद तीन शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही गढ़ और मनगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद आक्रोशित परिजन ने रविवार रात एक बार फिर 45 मिनट तक चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलने पर एसडीएम संजय जैन, डीएसपी प्रतिभा शर्मा, सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला समेत पूरा पुलिस अमला मौके पर पहुंचा। जाम खुलवाने में पुलिस प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में घायलों का हाल जानने के लिए कलेक्टर प्रतिभा पाल, कमिश्नर बीएस जामोद और एसपी शैलेंद्र सिंह अस्पताल पहुंचे। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान रामनरेश साकेत (35) पुत्र रामसिया साकेत निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार, रुचि साकेत (12) पुत्री रामनरेश साकेत निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार, रचना साकेत (13) पुत्री कन्हैया साकेत निवासी ग्राम

तेंदुआ कोठार और कमलेश सिंह (35) पुत्र रामसिया सिंह निवासी ग्राम हर्रो के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में सुलेखा साकेत पुत्री मुन्नीलाल साकेत और सौम्या साकेत पुत्री मुन्नीलाल साकेत घायल हुई हैं।

स्कॉर्पियो छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की है। स्कॉर्पियो के मालिक भिलाई सेक्टर-10 निवासी ब्रिजेंद्र सिंह ने बताया कि गाड़ी उनका साला चला रहा था। साथ में उनके साढ़ू का बेटा था। हादसे में दोनों ही सुरक्षित हैं। एयर बैग खुलने से उनकी जान बच गई। दोनों रविवार को कानपुर के लिए निकले थे। कानपुर में ब्रिजेंद्र सिंह के साढ़ू आईसीयू में भर्ती हैं। एसडीएम संजय जैन ने बताया कि घटना बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। परिवार में कई लोगों की मौत की वजह से दुखी परिवार के लोगों में आक्रोश है। डीएसपी प्रतिभा शर्मा ने बताया कि परिजन इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से आहत हैं। इस वजह से उन्होंने दो बार चक्काजाम किया। कलेक्टर ने पीड़ित परिवार के लिए 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता रेड क्रॉस के माध्यम से दिलवाई है।

अवैध शराब बिक्री का विरोध, महिलाएं सड़क पर

सागर, एजेंसी। सागर की देवरी विधानसभा के ग्राम मुहली में अवैध शराब बिक्री से महिलाएं परेशान हैं। गांव में शराब पीकर शराबी हंगामा मचा रहे हैं। महिलाओं का शाम ढलने के बाद घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। गांव का माहौल खराब हो रहा है। जिसके विरोध में महिलाएं सड़क पर उतरी हैं। उन्होंने गांव में अवैध शराब बिक्री बंद कराने की मांग की है।

अवैध शराब बिक्री से परेशान मुहली गांव की महिलाओं ने एकजुट होकर विरोध शुरू किया है। महिलाएं गांव के राम जानकी मंदिर पर जमा हुई। जहां से स्लोगन लिखीं तख्तियां हाथों में लेकर जागरूकता रैली निकाली। जिसमें उन्होंने गांव में अवैध शराब बिक्री बंद करने और शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि गांव में शराब बंद कराकर ही रहेंगे। शराब बंद नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे। शराब बेचने वालों का पुतला जलाया जाएगा।

गांव की अनीता सिंह राजपूत ने बताया कि: गांव में शराबियों का आतंक है। बड़ों से लेकर बच्चे शराब पी रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ घरों में स्थिति यह है कि उधार शराब पी रहे हैं। जिसके बाद घरों में रखा अनाज बेचकर पैसे दे रहे हैं। शराब पीने के बाद पुरुष घर आकर महिलाओं से मारपीट कर रहे हैं। जिससे महिलाएं परेशान हैं।

स्कूल परिसर में फैली रहती शराब की बोतलें: गांव के स्कूल परिसर में सुबह से शराब की बोतल पड़ी रहती है। शिक्षक

आते हैं तो स्कूल शुरू करने से पहले बोतलें साफ कराते हैं। गांव की स्थिति बहुत खराब है। शासन और प्रशासन से मांग है कि गांव में अवैध शराब बिक्री बंद कराई जाए। ताकि गांव का माहौल सुधरे।

इस दौरान मीरा राजपूत, निशा, रोशनी, बबली, सरोज रानी, अवध रानी, कमला रानी, बसंती, शिवरानी, निधि ,मालती, रजनी, राधा रानी, ममता, संगीता समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

महिलाओं को लाठी-डंडों से मारा, जमीन का विवाद खरगोन में बाइक पर बैठे युवक को भी पीटा

झोपड़ी बनाने की बात पर विवाद

खरगोन, एजेंसी। खरगोन के करही थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर रास्ते को लेकर दो गुट आमने-सामने हो गए। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने महिलाओं पर लाठियों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति महिलाओं की पिटाई करता दिख रहा है। वहीं उनके साथ बाइक पर बैठे युवक को भी मारा गया। जानकारी के अनुसार पिछले कई सालों से गोशाला के बाहर पट्टे की जमीन पर झोपड़ियां बनाकर लोग रह रहे थे। दो साल पहले मालन नदी की बाढ़ में झोपड़ियां बह गई थीं। इसके बाद चेतन के परिवार की महिलाएं जमीन पर नई झोपड़ियां बना रही थीं। इसी दौरान मदन नायक और उसके परिजन वहां पहुंचे और लाठियों से हमला कर दिया।

महिलाओं के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। दूसरे पक्ष ने भी गाली-गलौज और मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। करही थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार

इंगले ने बताया: चेतन मालाकार और मदन नायक के परिवारों में मारपीट और रास्ते को लेकर विवाद हुआ है। जमीन राजस्व विभाग की है और उसी पर रास्ते का विवाद चल रहा है। घायलों का मेडिकल कराया जा रहा है और दोनों पक्षों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

गोशाला समिति की शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई: गोशाला समिति ने पहले ही राजस्व भूमि पर अवैध कब्जा कर रास्ता बनाने की शिकायत तहसीलदार और सीएमओ से की थी। लेकिन समय पर कार्रवाई न होने के कारण विवाद बढ़ते-बढ़ते हिंसा में बदल गया।

मप्र के खंडवा जिले में 10 हजार के आबादी वाले के एक पूरे गांव को वक्फ ने बताया अपनी संपत्ति

सरपंच-सचिव को नोटिस जारी कर किया तलब

खंडवा, एजेंसी। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के सिहाड़ा गांव में जमीन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वक्फ बोर्ड ट्रिब्यूनल ने 10 हजार आबादी वाले पूरे गांव को अपनी संपत्ति बताते हुए कलेक्टर, सरपंच और सचिव को नोटिस जारी कर आज (10 नवंबर) भोपाल तलब किया है। दरअसल, सिहाड़ा ग्राम पंचायत ने सरकारी कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए दरगाह को अतिक्रमण बताते हुए हटाने का नोटिस जारी किया था। गांव के सरपंच का कहना है कि दरगाह पंचायत की जमीन पर बनी है और अतिक्रमण में आती है। इसी कार्रवाई के बाद दरगाह कमेटी सीधे वक्फ बोर्ड पहुंच गई और बोर्ड ने दावा कर दिया कि पूरी जमीन वक्फ संपत्ति है। दरगाह कमेटी के कोषाध्यक्ष शेख शफी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि पूरी जमीन वक्फ संपत्ति है, जिसका प्रकाशन 25 अगस्त 1989 के राजपत्र में हुआ है। यह जमीन करीब 300 साल पुरानी बताई गई है और वक्फ बोर्ड भोपाल में सीरियल नंबर 331 पर दर्ज है। यहां इमामबाड़ा, दरगाह और कब्रिस्तान दर्ज हैं, इसलिए पंचायत यहां कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। गांव की सरपंच कोकिलाबाई और सचिव देवराज सिंह सिसोदिया को वक्फ बोर्ड ट्रिब्यूनल की ओर से नोटिस मिला है। ट्रिब्यूनल ने पूरे गांव की जमीन को वक्फ संपत्ति बताते हुए 10 नवंबर को पेश होने का आदेश दिया है। सरपंच प्रतिनिधि हेमंत चौहान ने बताया कि यह जमीन पूरी तरह शासकीय है, यहां मकान और मंदिर भी बने हैं। वक्फ बोर्ड का दावा मनगढ़ंत और झूठा है। अभी तक उन्होंने कोई प्रामाणिक दस्तावेज भी नहीं दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे दावे स्वीकार हुए तो पूरे गांव के लोग बेघर हो जाएंगे। जिला वक्फ बोर्ड कमेटी के सचिव रियाज खान ने सरपंच पक्ष के आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा है कि हमने पूरे गांव की जमीन पर दावा नहीं किया, बल्कि 39 हजार स्क्वायर फीट जमीन पर दावा किया है। ग्राम पंचायत इस जमीन पर दुकानों का निर्माण करना चाहती है, इसलिए अतिक्रमण का नोटिस भेजा गया। सरपंच प्रतिनिधि लोगों को गुमराह कर रहे हैं। इस मामले में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि इस विवाद से गांव में तनाव और भ्रम की स्थिति बन गई है। वे चाहते हैं कि प्रदेश सरकार और प्रशासन तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति स्पष्ट करें, ताकि लोग बेघर होने के भय से मुक्त हों।

पेड़ पर लटका मिला छह बच्चों की मां का शव रायसेन में 10 दिन से लापता थी महिला

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले के सलामतपुर थाना क्षेत्र में एक महिला का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। महिला लगभग 10 दिनों से लापता थी। सोमवार सुबह दाहिडा कोली खेड़ा के पास पहाड़ी क्षेत्र में यह शव सड़ी-गली हालत में पाया गया। शव की पहचान सलामतपुर राजीव नगर निवासी 29 वर्षीय लक्ष्मीबाई पति महेश सपेरा के रूप में हुई। लक्ष्मीबाई अपने परिवार के साथ धान काटने के लिए दाहिडा कोली खेड़ा में पहाड़ी किनारे अस्थायी टपरे बनाकर रह रही थीं।

सलामतपुर थाना प्रभारी दिनेश रघुवंशी ने बताया 2 नवंबर को उनका अपने पति से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी जिसके बाद महिला अपने मायके चली गई थी। फिर महिला मायके से अपने पति के पास जाने का बोल कर निकली थी। ससुराल पक्ष ने काफी खोजबीन की, लेकिन जब वह नहीं मिलीं, तो 3 नवंबर को सलामतपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी।

महिला के छह बच्चे हैं: सोमवार सुबह 11 बजे महिला के देवर जंगल की ओर गए, जहां उन्हें तेज बदबू आई। पास जाने पर उन्होंने एक पेड़ पर साड़ी से लटका हुआ शव देखा। सूचना मिलते ही सलामतपुर थाना प्रभारी दिनेश रघुवंशी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पेड़ से नीचे उतारा गया और सांची सिविल अस्पताल भेजा गया। महिला के छह छोटे बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से विवेचना कर रही है।

डायरिया से 2 मौतें, 3 दिन में 128 मरीज भर्ती :बुरहानपुर प्रशासन ने डायरिया से मौत होना नहीं माना; खंडवा से जांच टीम बुलाई

बुरहानपुर , एजेंसी। बुरहानपुर में पिछले तीन दिनों से डायरिया का प्रकोप जारी है। अब तक 128 से अधिक मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हुए हैं। इस दौरान आजाद नगर की 55 वर्षीय रुखसाना बानो और एक 13 माह के बच्चे की मौत हुई है। हालांकि, प्रशासन इन मौतों का कारण डायरिया नहीं मान रहा है। वर्तमान में 30 मरीजों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि 90 से ज्यादा मरीज अभी भी भर्ती हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार को खंडवा मेडिकल कॉलेज की एक टीम जांच के लिए बुरहानपुर पहुंची है।

प्रशासन बोला- अन्य बीमारियां थीं: सीएमएचओ डॉ. आरके वर्मा, एडीएम वीर सिंह चौहान और जिला पंचायत सीईओ सृजन वर्मा ने इन मौतों का कारण डायरिया नहीं बताया है। उनका कहना है कि मरीजों को उल्टी-दस्त के कारण अस्पताल में भर्ती जरूर किया गया था, लेकिन उन्हें पहले से अन्य बीमारियां भी थीं।

रविवार रात महिला, सोमवार सुबह बच्चे की मौत: जानकारी के अनुसार, आजाद नगर की 55 वर्षीय रुखसाना बानो की मौत रविवार रात में हुई, जबकि 13 माह के बच्चे की मौत सोमवार सुबह हुई। परिजन इसे डायरिया से हुई मौत बता रहे हैं, जबकि प्रशासन और डॉक्टरों ने

डायरिया से किसी की भी मौत होने से इनकार किया है।

5 वार्डों में फैला है प्रकोप: दरअसल, तीन दिन पहले शहर के पांच वार्डों - आलमगंज, सिंधीपुरा, लोहार मंडी, आजाद नगर और कालाबाग - में डायरिया के मरीज सामने आए। पहले दिन 25 से अधिक मरीज जिला अस्पताल में भर्ती किए गए थे, जिनमें बच्चों की संख्या अधिक थी।

दूषित पानी को बताया जा रहा कारण: पार्षदों ने इसे निजी कंपनी द्वारा जल वितरण के दौरान दूषित पानी से होने वाली बीमारी बताया।

कलेक्टर ने किया था दौरा, स्वास्थ्य शिविर जारी: रविवार को कलेक्टर ने स्वयं प्रभावित वार्डों का दौरा किया था। इधर, रविवार को लोहार मंडी क्षेत्र में एक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया था। इसमें 22 ओपीडी दर्ज की गई और उल्टी-दस्त के पांच मरीज मिले, जिनमें से दो को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीमें सर्वे में लगी हैं। सोमवार को खंडवा मेडिकल कॉलेज की एक टीम बुरहानपुर पहुंची है। यह टीम पानी के नमूने लेने के साथ ही मरीजों की स्थिति में सुधार की दिशा में काम करेगी और वार्डों में पहुंचकर सर्वेक्षण करेगी।

सीहोर में न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज 'जिले में ठंड बढ़ी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले में अब ठंड ने अपनी रफ्तार पकड़ ली है। यहां न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। जिले में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में लगभग दो गुना से अधिक का अंतर देखा जा रहा है।

पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव आया है। इससे पहले कभी बारिश तो कभी गर्मी का मिला-जुला मौसम देखने को मिल रहा था। इस साल मानसून ने 21 जून को दस्तक दी थी, जिसके बाद रुक-रुक कर बारिश होती रही। अब मौसम ने करवट ली है और ठंड का दौर शुरू हो गया है। शासकीय कृषि महाविद्यालय में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि आसमान से बादल धीरे-धीरे साफ हो रहे हैं।

टी-20 विश्व कप 2026

कोलकाता और अहमदाबाद में हो सकते हैं सेमीफाइनल मुकाबले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में संयुक्त रूप से अगले साल आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 में सेमीफाइनल मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस बड़े टूर्नामेंट के लिए भारत और श्रीलंका में कुल आठ जगहों को चुना है। हालांकि, फाइनल मुकाबले के लिए वेन्यू की तस्वीर अभी साफ नहीं हुई है। 2026 के फरवरी-मार्च में टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सेमीफाइनल मुकाबले के लिए रेस में कोलकाता और अहमदाबाद सबसे आगे चल रहे हैं। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आयोजित होने वाले इस विश्व कप के लिए भारत के पांच शहरों को चुना गया है, जिनमें मुंबई, दिल्ली, चेन्नई के अलावा अहमदाबाद और कोलकाता शामिल है।

वहीं, श्रीलंका के तीन स्थानों - कोलंबो में दो स्टेडियम और कैंडी में एक स्टेडियम को चुना गया है। हालांकि, इन जगहों का चयन इस बात पर भी निर्भर करेगा कि कौन सी टीम इन मुकाबलों में खेलने के लिए क्वालीफाई कर पाती है। अगर पाकिस्तान और श्रीलंका टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं करता है, तो दोनों सेमीफाइनल मुकाबले भारत में ही खेले जाने हैं। संभावना है कि फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही खेला जाएगा।

वहीं, पाकिस्तान के सेमीफाइनल मुकाबले में क्वालीफाई करने पर ये मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। इसी तरह श्रीलंका अगर अंतिम चार में पहुंचता है, तो वह मैच कोलंबो में खेला जा सकता है। अगर श्रीलंका अंतिम चार में नहीं पहुंचता है, तो भारत में ही दोनों सेमीफाइनल के मुकाबले खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड बनाम वेस्टइंडीज : बारिश से धुला चौथा टी20 मैच, न्यूजीलैंड के पास 2-1 से लीड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच नेल्सन में चौथा टी20 मैच बारिश के चलते बेनतीजा रहा। इस मुकाबले में सिर्फ 6.3 ओवरों का ही खेल हो सका। फिलहाल पांच मुकाबलों की सीरीज में न्यूजीलैंड 2-1 से आगे है। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। वेस्टइंडीज ने संभली हुई शुरुआत की। आमिर जंगू और एलिक एथनाज ने 5.2 ओवरों में 30 रन की साझेदारी की। एथनाज 18 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आमिर ने कप्तान शाई होप के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे विकेट के लिए 8 रन जुटा लिए थे, लेकिन इसी बीच बारिश ने खेल रोक दिया, जिसके बाद यह दोबारा शुरू नहीं हो सका।

आमिर 18 गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में 2 चौके शामिल रहे। वहीं, शाई होप ने टीम के खाते में 3 रन जोड़े।

विपक्षी टीम की ओर से जेम्स नीशम इकलौते सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 1 ओवर में 5 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। ऑकलैंड में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच को वेस्टइंडीज ने 7 रन से अपने नाम किया था। इसी मैदान पर सीरीज का दूसरा मुकाबला भी खेला गया, जिसमें न्यूजीलैंड ने 3 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली।

नेल्सन में सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला गया, जिसे 9 रन से जीतकर न्यूजीलैंड ने सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। चौथा मुकाबला बेनतीजा रहने के बाद अब सीरीज का अंतिम मैच निर्णायक बन गया है। यह मुकाबला 13 नवंबर को यूनिवर्सिटी ओवल में खेला जाएगा, जिसमें वेस्टइंडीज जीत दर्ज करते हुए सीरीज बराबरी पर खत्म करना चाहेगी। वहीं, न्यूजीलैंड की कोशिश बढ़त बरकरार रखने की होगी। दोनों देश टी20 सीरीज के बाद तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलेंगे। इसके बाद 3 टेस्ट मैच भी आयोजित होंगे।

एटीपी फाइनल्सः ज्वेरेव की शानदार शरुआत, शेल्टन के खिलाफ जीता मुकाबला

ट्यूरिन, एजेंसी। एटीपी फाइनल्स में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने अभियान की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है। जर्मनी के इस स्टार खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिकी युवा खिलाड़ी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(6) से शिकस्त दी। इनाल्पी एरिना में जीत के साथ, अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बेन शेल्टन के साथ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 5-0 का रिकॉर्ड बना लिया है। दो बार के एटीपी चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में शेल्टन के 6/4 से आगे होने के बाद दो सेट प्वाइंट का सामना करने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा। अलेक्जेंडर ज्वेरेव आठ दिन पहले पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जैनिक सिनर से मिली करारी हार के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह इस मुकाबले में बेहद तरोताजा नजर आए और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में अपनी सर्व पर बार-बार दबाव में आने और 2-2 के स्कोर पर दो ब्रेक प्वाइंट बचाने के बावजूद, बेन शेल्टन ने ज्वेरेव को टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। अमेरिकी खिलाड़ी ने टाई-ब्रेक में 4/0 की बढ़त के साथ जल्द ही निर्णायक सेट के लिए मजबूर कर दिया, और बाद में उन्होंने 6/4 पर दो सेट प्वाइंट बनाए। 6/5 पर एक आसान फोरहैंड नेट पर लगाया, और ज्वेरेव ने 7-6(6) से यह सेट अपने नाम किया। इस जीत के बाद अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को सराहा है। उन्होंने शेल्टन को दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बताते हुए कहा, फ़वह अविश्वसनीय रूप से आक्रामक खिलाड़ी हैं। शायद दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक हैं। टाई-ब्रेक में उन्होंने शानदार शुरुआत की। मैंने शायद एक या दो पहले सर्व मिस किए और उन्होंने जो पासिंग शॉट मारा (5/4 पर) वह बेतुका था। मुझे उन चीजों पर नियंत्रण रखना होगा, जिन्हें मैं नियंत्रित कर सकता हूं। मैंने टाई-ब्रेक के अंत में अच्छा प्रदर्शन किया और इस जीत से बेहद खुश हूं।

अनिसिमोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में सबालेंका, रयबाकिना से होगा सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्यना सबालेंका ने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से शिकस्त दी। इसी के साथ सबालेंका ने डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियनशिप के लिए एलेना रयबाकिना के खिलाफ मुकाबले में जगह बना ली है। अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ शुरुआती दौर में तनावपूर्ण मुकाबले के बाद मैच सबालेंका के पक्ष में झुकने लगा। उन्होंने अपने पहले सेट को 6-3 से जीता। आर्यना सबालेंका दूसरे सेट की शुरुआत में ही लय खो बैठीं, जिसका फायदा उठाते हुए अनिसिमोवा ने 4-0 की बढ़त बना ली। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि मुकाबला निर्णायक सेट की ओर बढ़ रहा है। इस सेट को अनिसिमोवा ने 6-3 से अपने नाम किया। सबालेंका ने तीसरे सेट में अपनी लय फिर से हासिल की। उन्होंने लगातार ऐस लगाकर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। इसके बाद एक जबरदस्त बैकहैंड लगाकर निर्णायक ब्रेक हासिल किया।

सबालेंका को शुरुआत में कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट को 6-3 से अपने नाम करते हुए फाइनल में जगह पक्की कर ली।

दूसरी ओर, रयबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया, जिससे उनका अपराजेय क्रम बरकरार रहा है। अब वह डब्ल्यूटीए फाइनल का खिताब जीतने के करीब पहुंच गई हैं।

कैनवी प्रीमियर कबड्डी लीग (सी पी के एल) सीज़न 2 का भव्य शुभारंभ जयपुर में सम्पन्न

जयपुर, एजेंसी। होटल प्राइम सफारी, जयपुर में कैनवी प्रीमियर कबड्डी लीग (सी पी के एल) सीज़न 2 का भव्य शुभारंभ समारोह बड़े उत्साह और जोश के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीजन 2 की ग्रैंड ट्रॉफी का अनावरण किया गया और 8 टीमों एम पी टाइटंस, हरियाणा हीरोज, गुजरात ग्लेडीयेटरस, धाकड दिल्ली, मुंबई मोनाक्रस, राजस्थान रेबल्स, कोलकाता किंग्स, और दबंग यू पी का औपचारिक परिचय कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कबड्डी प्लेयर प्रदीप नरवाल,शिव कुमार बेनीवाल फाउंडर डायरेक्टर,दीपक राय उपस्थित रहे। जयपुर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर , राघव गोयल होटल सफारी डायरेक्टर,सुनील शर्मा अध्यक्ष सांगानेर,अनिल चौधरी, अशोक जाट, अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय

कबड्डी खिलाड़ी एवं सी पी के एल के आइकॉन खिलाड़ी प्रदीप नरवाल और अंतरराष्ट्रीय पहलवान व कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट पूजा सिहाग विशेष अतिथि के रूप में शामिल रहीं। कैनवी प्रीमियर कबड्डी लीग के संस्थापक शिव कुमार बेनीवाल ने बताया कि सी पी के एल का उद्देश्य भारतीय कबड्डी को एक नया आयाम देना है, ताकि देश की प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिल सके। लीग का संचालन कैनवी स्पोर्टस फेडरेशन के तत्वावधान में किया जा रहा है, जो युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है।

सीज़न 2 का आयोजन जल्द ही दुबई में होने जा रहा है, जहाँ भारत की मिट्टी से जुड़ा यह पारंपरिक खेल अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी चमक बिखेरेगा। इस ग्रैंड लॉन्च इवेंट का क्यूरेशन और मैनेजमेंट मिस्नाटिक स्पोर्ट्स द्वारा किया गया, जिसने कार्यक्रम को एक शानदार और यादगार रूप दिया।

कार्यक्रम में खेल जगत की नामचीन हस्तियों, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स और विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इसे एक ऐतिहासिक अवसर बना दिया। कैनवी प्रीमियर कबड्डी लीग (सी पी के एल) न केवल एक खेल प्रतियोगिता है, बल्कि यह मिट्टी से विश्व तक भारतीय कबड्डी की कहानी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एक अभियान है।

गली क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे दिन 16 रोमांचक मुकाबले खेले गए

सतलुज स्कूल के सुरेंद्र ने जमाया शानदार शतक

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रथम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जिला पंचकूला गली क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे दिन पंचकूला के 3 विभिन्न ग्राउंडों पर कुल 16 रोमांचक मुकाबले खेले गए। स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसायटी द्वारा यह प्रथम गली क्रिकेट टूर्नामेंट 6 से 11 नवंबर तक कराया जा रहा है। प्रथम गली क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 116 टीमें भाग ले रही हैं। आज चौथे दिन तीन ग्राउंडों पर शानदार क्रिकेट देखने को मिला। सोसाइटी के अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने बताया इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले 11 नवम्बर को ताऊ देवी लाल स्टेडियम, पंचकूला में आयोजित होंगे। टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में माननीय राज्यपाल, हरियाणा, प्रो. असीम कुमार घोष मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा विजेता टीम को 1 लाख का नगद पुरस्कार व अटल ट्राफी तथा उपविजेता टीम को नगद 51000/- रूपये व अश्वनी गुप्ता ट्राफी प्रदान करेंगे। विजेता टीम को 1 लाख का नगद पुरस्कार व अटल ट्राफी तथा उपविजेता टीम को नगद 51000/- रूपये व अश्वनी गुप्ता ट्राफी प्रदान करेंगे। इसके अलाव र्स्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, र्स्वश्रेष्ठ गेंदबाज, र्स्वश्रेष्ठ आलराउंडर, र्स्वश्रेष्ठ कैचर, र्स्वश्रेष्ठ फिल्डर व प्लेयर ऑफ द टूर्नामैंट को रूपये 5100/- का विशेष नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर पहुंचा चंडीगढ़, राज्यपाल असीम घोष ने किया ट्रॉफी का अनावरण

चंडीगढ़, एजेंसी। एफआईएच मेन्स जूनियर हाकी वर्ल्ड कप से पहले शुरू हुए राष्ट्रीय ट्रॉफी टूर के तहत रविवार को ट्रॉफी चंडीगढ़ पहुंची। शहर के सेक्टर-17 स्थित होटल हयात में आयोजित समारोह में हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष ने ट्रॉफी का अनावरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करण गिल्होत्रा ने सभी अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि ट्रॉफी टूर का उद्देश्य 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप से पहले देशभर में हॉकी के प्रति उत्साह और जागरूकता का माहौल बनाना है। उन्होंने आगे कहा, यह केवल एक ट्रॉफी यात्रा नहीं है, बल्कि हमारे युवा खिलाड़ियों और हॉकी प्रेमियों को प्रेरित करने का अवसर है। हम चाहते हैं कि युवा इस खेल के प्रति उत्साही हों, अपने कौशल को निखारें और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर राज्यपाल असीम कुमार घोष ने कहा, हॉकी भारत की आत्मा से जुड़ा खेल है। यह केवल खेल नहीं, बल्कि हमारे देश की एकता, अनुशासन और टीम स्पिरिट का प्रतीक है। एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर युवाओं में देशभक्ति और खेल भावना को बढ़ावा देगा। मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम इस बार भी शानदार प्रदर्शन करेगी और तिरंगा ऊँचा लहराएगी। हॉकी चंडीगढ़ के उप-प्रधान अनिल वोहरा ने बताया कि ट्रॉफी टूर 20 शहरों से होकर गुजरेगा और इसके बाद तमिलनाडु लौटेगी, जिससे देशभर के प्रशंसकों को ट्रॉफी को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। इस मौके पर शहर के कई हॉकी खिलाड़ी, कोच, खेल अधिकारी और युवा खिलाड़ी भी मौजूद रहे, जिन्होंने भारतीय टीम के लिए शुभकामनाएं दीं।

आकाश चौधरी का कारनामा : 8 गेंदों में 8 छक्के, 11 गेंदों में सबसे तेज फिफ्टी; रणजी ट्रॉफी में रचा इतिहास

सूरत। भारतीय घरेलू क्रिकेट में रविवार का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। रणजी ट्रॉफी के सूरत में खेले जा रहे मुकाबले में मेघालय के 25 वर्षीय बल्लेबाज़ आकाश कुमार चौधरी ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जिसे क्रिकेट जगत लंबे समय तक याद रखेगा। आकाश ने लगातार 8 गेंदों पर 8 छक्के लगाकर न सिर्फ दर्शकों को रोमांचित किया, बल्कि अपने नाम कई बड़े रिकॉर्ड भी दर्ज करा लिए। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए आकाश ने केवल 14 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी का अंदाज़ ऐसा था कि उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में

सबसे तेज अर्धशतक जमाने का नया रिकॉर्ड बना दिया।इससे पहले इंग्लैंड के बेन वाइट ने 12 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी, जिसे अब आकाश ने पीछे छोड़ दिया है। 8 गेंद, 8 छक्के—क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय क्रिकेट में एक ओवर में लगातार छह छक्के लगाना बहुत कम खिलाड़ी कर पाते हैं। लेकिन आकाश चौधरी ने यह उपलब्धि एक कदम आगे बढ़ाकर आठ गेंद लगातार मैदान के बाहर भेजीं। यह कारनामा ओवर खत्म होने के बाद की अगली गेंद पर भी जारी रहा और लगातार दो ओवरों की कुल 8 गेंदों पर छक्के लगे।यह रिकॉर्ड अब तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कभी नहीं बना था।

प्रमोद भगत ने जापान पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पैरा बैडमिंटन स्टार प्रमोद भगत ने पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीतकर कमाल कर दिया। प्रमोद ने एकल, युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। प्रमोद भगत ने एसएल3 एकल फाइनल में जापान के डाइसुके फुजिहारा के खिलाफ पहला सेट हारने के बावजूद जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 1 घंटे 33 मिनट तक चले कड़े मुकाबले को उन्होंने 17-21, 21-19, 21-10 से जीता। पुरुष युगल के फाइनल में, भगत ने सुकांत कदम के साथ मिलकर हमवतन जगदीश दिल्ली और नवीन शिवकुमार को तीन सेटों के कड़े मुकाबले में 21-17, 18-21, 21-16 से हराया। वहीं मनीषा रामदास के साथ मिश्रित युगल एसएल4-एसयू5 का खिताब हमवतन नितेश कुमार और तुलसीमथी मुरुगेसन को 21-19, 21-19 से हराकर जीता। तीन स्वर्ण जीतने के बाद प्रमोद ने कहा, जापान में तीन स्वर्ण पदक जीतना मायने रखता है। ऐसे देश में प्रदर्शन करना हमेशा खास होता है जो पैरा बैडमिंटन को महत्व देता है। हर मैच ने मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से परखा।

ऋ चा का सफर बंगाल की बेटियों के दृढ़ संकल्प और जज्बे को दर्शाता है : झूलन गोस्वामी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने विश्व कप विजेता ऋचा घोष को बंग भूषण से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। उनका मानना है कि ऋचा का सफर बंगाल की बेटियों के दृढ़ संकल्प और जज्बे को दर्शाता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने हाल ही में संपन्न महिला वनडे विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने विशाखापत्तनम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 94 रन की पारी खेलने के अलावा, खिताबी मुकाबले में इसी टीम के खिलाफ 34 रन बनाने के साथ 1 कैच भी लपका था। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने ईडन गार्डन्स में 22 वर्षीय ऋचा के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें झूलन गोस्वामी और पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली भी मौजूद थे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिसे शेयर करते हुए झूलन ने लिखा, मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। इस विशेष अवसर पर उपस्थित होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। ऋचा का सफर बंगाल की बेटियों के दृढ़ संकल्प और जज्बे को दर्शाता है। उनकी प्रतिभा को इस स्तर पर पहचाने जाने पर गर्व है। उन्हें अगली पीढ़ी को प्रेरित करते हुए देखकर और भी ज्यादा गर्व है। मेरी तरफ से ऋचा घोष को हार्दिक बधाई।

इस सम्मान समारोह के दौरान ऋचा घोष को सीएबी की ओर से एक गुलदस्ता, एक स्मृति चिन्ह और 34 लाख रुपये का चेक भेंट किया गया था। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने उन्हें बंगाल क्रिकेट संघ की ओर से एक गोल्डन बैट और एक गोल्डन बॉल भी सौंपी।

एक्स पर वीडियो के जरिए इस कार्यक्रम की झलकियां दिखाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लिखा, बंगाल की बेटियां बंगाल का सबसे बड़ा गौरव हैं। मुझे बंगाल क्रिकेट संघ की ओर से प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहां ऋचा घोष को भारत की विश्व कप जीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से, मैंने उन्हें राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक, बंग भूषण से सम्मानित किया। मैंने पश्चिम बंगाल पुलिस में उनकी पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्ति की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल स्मृति टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिभाओं को देखने का अवसर रीवा को मिलेगा: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्वविद्यालय स्टेडियम में आयोजित स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल स्मृति टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा बड़े आयोजनों का केन्द्र बनता जा रहा है। समाजसेवी स्वर्गीय श्री भैयालाल शुक्ल की स्मृति में आयोजित इस क्रिकेट प्रतियोगिता में रीवा वासियों को राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिभाओं को देखने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता लगातार 10वें वर्ष सफ्लतापूर्वक आयोजित हो रही है।

इस प्रतियोगिता के माध्यम से स्थानीय क्रिकेट खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाने का अवसर मिल रहा है। हाल ही में रीवा में सैनिक स्कूलों की राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हमने कुछ दिनों पहले ही नौ सेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का नागरिक अभिनंदन किया। रीवा में 6 से 9 नवम्बर तक अखिल भारतीय साहित्य परिषद का अधिवेशन आयोजित किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे पूज्य पिता जी स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल से ही मुझे जनसेवा और समाज सेवा के संस्कार मिले हैं। उनके आशिर्वाद से ही मुझे जनकल्याण और क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास करने की शक्ति मिलती है। पूज्य पिता जी से मिले संस्कारए गौमाता और आमजनों से मिला आशिर्वाद सफ्लता का मार्ग प्रशस्त करता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य के लिए ऐतिहासिक दिन बनने जा रहा है। आज से रीवा से दिल्ली के लिए 72 सीटर हवाई जहाज की सेवा शुरू हो रही है। यह हवाई सेवा विन्ध्य के विकास की बड़ी छलांग साबित होगी। उप मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल के चित्र पर फूल माला चढ़ाकर उन्हें श्रंद्धाजलि दी। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता का 10 से 16 नवम्बर तक राष्ट्रीय एकता मंच द्वारा आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, राजगोपाल मिश्रा चारीए सतीश सिंह, प्रकाश सोनी, गौरव पाण्डेय, अखिलेश शुक्ला, अरूण मिश्रा तथा स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

फिल्म एक्टर सोनू सूद बोले-जल्द आने वाला हूं रीवा, रेवा टू रूस फिल्म फेस्टो 2025; कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में होगा कार्यक्रम

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। 12 से 14 दिसंबर तक आयोजित होने जा रहे रेवा फिल्म्स फेस्टो 2025में बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार कहे जाने वाले अभिनेता सोनू सूद शिरकत करने आ रहे हैं। यह पहला अवसर होगा जब सोनू सूद विंध्य की धरती पर कदम रखेंगे। कोरोना काल में उन्होंने रीवा आने का जो वादा किया था, वह अब पूरा होने जा रहा है।

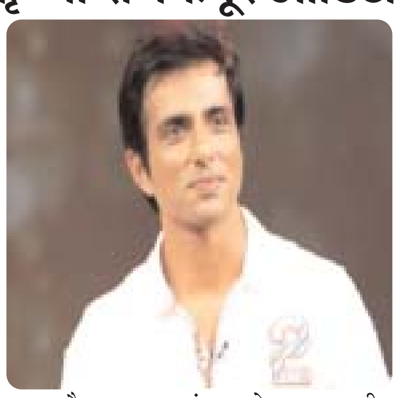

दरअसल इस तीन दिवसीय मेगा इवेंट का आयोजन डेज सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है, जिसका थीम है —द ग्रेट शोमैन राजकपूर एंड द गोल्डन एज ऑफ इंडियन सिनेमा। फेस्टो का मुख्य आकर्षण 14 दिसंबर को राजकपूर की 101वीं जयंती पर होगा। जहां विशेष श्रद्धांजलि समारोह भी होगा। जिसमें सोनू सूद के साथ-साथ देश-विदेश के कई प्रसिद्ध फिल्मकार, निर्देशक, एक्टर और म्यूजिक आर्टिस्ट शामिल होंगे।

फिल्म स्क्रीनिंग, डांस, म्यूजिक होगा: कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में फिल्म स्क्रीनिंग, वर्कशॉप, डांस, म्यूजिक और ग्लैमर नाइट का धमाका तीन दिन तक चलने वाला है। राजकपूर एंड द गोल्डन एज थीम पर विंध्य से जुड़ी यादों की विशेष फिल्मी प्रदर्शनी भी देखने को मिलेगी। रीवा से रूस तक संस्कृति और सिनेमा के रिश्तों पर पैनल डिस्कशन होगा। युवा फिल्मकारों और कलाकारों को मंच देने के लिए यंग क्रिएटर्स कॉर्नर और रेवा फिल्म अवॉर्ड्स 2025 आयोजित कर रहे हैं। रीवा और राजकपूर का रिश्ता रीवा का नाम भारतीय सिनेमा के सुनहरे दौर से जुड़ा है। 14 दिसंबर 2015 को खुद रणधीर कपूर ने यहां कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम का भूमिपूजन किया था, और 02 जून 2018 को इसका लोकार्पण हुआ। तब भी कई फिल्मी हस्तियां रीवा पहुंची थीं।

अब एक बार फिर यह ऑडिटोरियम फिल्मी सितारों की मौजूदगी से जगमगाएगा। सोनू सूद कोरोना महामारी के दौरान देशभर में जरूरतमंदों के लिए मददगार बने थे। सोनू सूद ने कहा था कि वे जल्द ही रीवा आएंगे। अब उस वादे को पूरा करने का समय आ गया है। उनका आगमन न सिर्फ फिल्म फेस्टो की शान बढ़ाएगा, बल्कि विंध्य के लोगों के लिए यह इमोशनल और इंस्पिरेशनल पल भी होगा।

उदित गर्ग और आशुतोष तिवारी ने बताया कि डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डेज सोसायटी का फिल्म्स फेस्टो 2025 न सिर्फ सिनेमा का उत्सव होगा, बल्कि यह विंध्य की कला, संस्कृति और क्रिएटिविटी को राष्ट्रीय मंच पर चमकाने का अवसर बनेगा। 14 दिसंबर को जब सोनू सूद कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के मंच पर होंगे, तो पूरा रीवा स्वागत में खड़ा रहेगा।

साथ में शराब पीने से इनकार करने पर हमला, युवक की जांघ में ठूंस दी पूरी बोतल; चाकू से भी किया वार

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। रविवार देर रात एक बदमाश ने एक व्यक्ति पर सिर्फ इसलिए हमला कर दिया, क्योंकि उसने साथ बैठकर शराब पीने से इनकार कर दिया था। घटना जय स्तंभ के पास की है। आरोपी निखिल लोनिया ने पीड़ित वीरेंद्र श्रीवास्तव पर शराब की बोतल और चाकू से हमला किया, जिससे उसकी जांघ की नस कट गई। उसे गंभीर हालत में पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जिसने पुलिस केस बताकर उसे संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया। सिविल लाइन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित बोला- जबरदस्ती कार में बिठा रहा था: पीड़ित वीरेंद्र श्रीवास्तव उर्फ दीपू ने बताया कि आरोपी युवक से मेरी बोलचाल बहुत दिनों से बंद है। लेकिन आज जब मैं जय स्तंभ के पास खड़ा था तो निखिल लोनिया मेरे पास पहुंचा। वह साथ में शराब पीने के लिए जबरदस्ती मुझे अपनी कार में बिठाने लगा।

जांघ में ठूंस दी पूरी बोतल, नस कटी: वीरेंद्र ने बताया, मैंने मना किया तो मुझसे झगड़ा करने लगा। जिसके बाद अचानक मुझ पर चाकू और शराब की बोतल से हमला कर दिया। मेरे जांघ पर पूरी बोतल ठूंस दी और फिर हमला किया। मेरी जांघ की एक नस कट गई। काफी खून निकल गया। जान से मारने की दी धमकी, अस्पताल ने इलाज से मना किया पीड़ित ने आरोप लगाया, जान से मारने की धमकी दी। आरोपी अवैध नशे का काम करता है। आगे भी नुकसान पहुंचा सकता है। हमले में युवक बुरी तरह से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए विंध्या हॉस्पिटल ले जाया गया।

जनजातीय गौरव दिवस रथयात्रा का होगा शुभारंभ

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जायेगी। मुख्य समारोह 15 नवम्बर को कोल भवन रीवा में आयोजित किया जायेगा। इस क्रम में जिले भर में जनजातीय गौरव यात्रा निकाली जायेगी। जनजातीय गौरव रथयात्रा 11 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जिले के सभी विकासखण्डों का भ्रमण करेगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि जिले के जनजातीय क्षेत्रों मंल सामाजिक और आर्थिक विकास का संदेश देने के लिए रथयात्रा आयोजित की जा रही है। रथयात्रा 11 नवम्बर को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट रीवा से आरंभ होगी। रीवा में चोरहटा आदिवासी बस्तीए गोड़हरए नया बस स्टैण्डए इटौराए सगराए बैकुण्ठपुर तथा सिरमौर पहुंचेगी। रथयात्रा उत्कृष्ट बालक छात्रावास में रात्रि विश्राम करेगी। रथयात्रा 12 नवम्बर को सिरमौर वार्ड क्रमांक 2 कैमहा प्लाट शुरूआत कटांगीए जवा का भ्रमण करते हुए सितलहा में सीनियर बालक छात्रावास में विश्राम करेंगी।

रथयात्रा 13 नवम्बर को अतरैलाए चौरीडांडीए बौसढ़ए लोहगढ़ए जतरी तथा लोनी 521 गांव का भ्रमण करते हुए डभौरा में सीनियर बालक छात्रावास में विश्राम करेंगी। रथयात्रा 14 नवम्बर को ग्राम घूमनए गोदकलाए कोलगढ़ी भैरव मंदिर तथा सोहागी का भ्रमण करते हुए गंगेव में उत्कृष्ट छात्रावास में रात्रि विश्राम करेंगी। रथयात्रा 15 नवम्बर को ग्राम सिरसाए मनगवांए रायपुर कर्चुलियान होते हुए रीवा पहुंचेगी तथा कोल भवन चिरहुला कालोनी में आयोजित जिला स्तरीय गौरव दिवस समारोह में शिरकत करेगी। कलेक्टर ने सभी विकासखण्डों के मंडल संयोजकों को रथयात्रा के लिए नोडल अधिकारी तैनात करके निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रथयात्रा का भ्रमण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

वेतन निर्धारण सत्यापन के लिए अपलोड करायें अभिलेख: संयुक्त चालक

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा टीएन टेकाम ने सभी कोषालय अधिकारियों तथा कार्यालय प्रमुखों से वेतन निर्धारण सत्यापन के लिए आवश्यक अभिलेख अपलोड करने का अनुरोध किया है। संयुक्त संचालक ने कहा है कि सभी आहरण संवितरण अधिकारी शासकीय सेवक की सेवा पुस्तिका तथा उससे जुड़े अन्य अभिलेख पोर्टल पर अपलोड करा दें।

अभिलेखों के समय पर प्राप्त न होने के कारण वेतन निर्धारण सत्यापन में देरी हो रही है। वेतन निर्धारण से जुड़े समस्त अभिलेख साफ कॉपी में स्कैन कराकर पोर्टल पर तत्काल अपलोड करा दें जिससे वेतन निर्धारण संबंधी प्रकरणों का सत्यापन किया जा सके।

हनुमना में हत्या के तीन इनामी आरोपी गिरफ्तार, पांच महीने से थे फरार; खेत जोतने को लेकर हुआ विवाद

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी के निर्देश पर हनुमना पुलिस ने हत्या के तीन फरार इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 10 नवंबर 2025 सोमवार को हुई इस कार्रवाई में आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया। यह मामला 30 सितंबर 2025 का है, जब ग्राम कोन निवासी सोहनलाल कुशवाहा ने हनुमना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि खेत जोतने के विवाद में गांव के ही चिंतामणि पाठक, शिवेंद्र पाठक, रामायण पाठक, शिवाकांत पाठक और शांतिशंकर पाठक ने उन पर, उनके पिता छोटेलाल कुशवाहा और भाई पर लाठी, डंडा और टांगी से हमला किया था। इस हमले में सोहनलाल के पिता छोटेलाल कुशवाहा के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें हनुमना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से रीवा रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 118(1), 351(3), 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। जांच के दौरान इसमें धारा 118(2) और 103(1) भी जोड़ी गईं। लगातार प्रयासों के बाद हनुमना पुलिस ने फरार चल रहे इनामी आरोपी चिंतामणि पाठक (73 वर्ष), नीलेश पाठक (29 वर्ष) और श्रीकांत उर्फ शिवाकांत पाठक (33 वर्ष) को गिरफ्तार किया। ये सभी ग्राम कोन के निवासी हैं। इस गिरफ्तारी अभियान में थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल काकड़े के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक अभिषेक मिश्रा, आरक्षक विवेकानंद यादव, प्रदीप यादव, मनीष पांडेय, शोभित सिंह और साइबर सेल मऊगंज के आरक्षक भावेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रीवा से दिल्ली के लिए वायु सेवा शुरू, सीएम बोले- विंध्य पूरी तरह वायुमार्ग से जुड़ा; डिप्टी सीएम ने ऐतिहासिक दिन बताया

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। एयरपोर्ट के लोकार्पण के एक साल बाद सोमवार को रीवा-नई दिल्ली के बीच 72 सीटर विमान की नियमित हवाई सेवा की शुरुआत हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दी। विंध्य क्षेत्र के सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। रीवा एयरपोर्ट का शिलान्यास 15 फरवरी 2023 को किया गया था। इसी दिन से रीवा-जबलपुर, भोपाल, खजुराहो और सिंगरौली के लिए एयर टैक्सी और 17 सीटर विमान की सुविधा शुरू हुई थी। अब 72 सीटर विमान से दिल्ली और जल्द ही इंदौर की उड़ानें भी शुरू होंगी। विमान सेवा शुरू होने पर सीएम ने कहा कि विंध्य अब वायु मार्ग से पूरी तरह जुड़ गया है। वहीं डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया।

28 अक्टूबर को एटीआर72 का सफल ट्रायल: बीते 28 अक्टूबर को रीवा एयरपोर्ट पर एटीआर-72 विमान का सफल ट्रायल रीवा के ही पायलट राघव मिश्रा ने किया था। ट्रायल सफल होने के बाद सभी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी की गई, जिससे नियमित उड़ानें शुरू करने का रास्ता साफ हो गया।

पीएम मोदी ने विंध्यवासियों को भेजा संदेश, दी शुभकामनाएं: उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र के माध्यम से विंध्यवासियों को बधाई दी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्रा, सांसद गणेश सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक नरेंद्र प्रजापति, रीति पाठक और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीएम मोहन यादव- विंध्य अब वायु मार्ग से पूरी तरह जुड़ा: मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा एक समय था जब विंध्य में हवाई सेवा की कल्पना तक नहीं की जाती थी। आज रीवा की वायु सेवा औद्योगिक विकास के साथ मैहर, चित्रकूट, खजुराहो और अन्य धार्मिक पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी को नई दिशा देगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही हेलिकॉप्टर सेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा को और व्यापक किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल- विंध्य के लिए ऐतिहासिक दिन: डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा रीवा से दिल्ली की सीधी उड़ान एक सपना था, जो आज साकार हुआ है। शिक्षा, उद्योग, पर्यटन और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। पहले व्यापारियों को प्रयागराज या वाराणसी जाना पड़ता था, अब सीधी कनेक्टिविटी से समय और धन दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि रीवा के जलप्रपातों, मंदिरों और नेशनल पार्कों तक देश-विदेश के पर्यटक आसानी से पहुंच सकेंगे।

दिल्ली दो घंटे में, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बड़ा लाभ: रीवा एयरपोर्ट से दिल्ली की यह उड़ान यात्रियों को मात्र दो घंटे में राजधानी पहुंचाएगी। अधिकारियों के अनुसार, इससे व्यापार, शिक्षा, उद्योग और पर्यटन क्षेत्रों में भारी तेजी आने की उम्मीद है।

सूने घर पर चोरों का धावा, लाखों की नगदी और जेवरात उड़ाए; शादी में गया था पूरा परिवार

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। नगर में चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया है। वार्ड क्रमांक 03 स्थित सिंचाई कॉलोनी में शेख सलामुद्दीन खान उर्फ रिंकू खान के घर से लाखों रुपए की नगदी और जेवरात चोरी हो गए हैं। पीड़ित परिवार 7 नवंबर को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से बाहर गया था। सोमवार सुबह जब वे लौटे, तो उन्होंने घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ पाया। अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था, जिससे चोरी का पता चला।

चोरों ने घर से तीन जोड़ी चांदी की पायल, सोने की माथ बेंदी, मेहंदी हाथ की चांदी की जोड़ी, दो सोने की नथ और 1,38,000 रुपये नकद चुरा लिए। इसके अतिरिक्त, पड़ोसी अर्जुन पटेल की एक समर्सिबल मोटर भी चोरी हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित परिवार ने पहले अपने स्तर पर तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी गई और मऊगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

न्यायोत्सव सप्ताह अंतर्गत केन्द्रीय जेल में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश मोहन प्रधान एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में केन्द्रीय कारागार में महिला बैरक में महिला बंदियों को उनके विधिक अधिकार एवं विधिक जागरुकता हेतु विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश अंजली पारें ने महिला बंदियो को उनके विधिक अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र ने महिला बंदियों को निशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में बताया। प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड विश्वेश्वरी मिश्रा ने महिला बंदियों के साथ जेल में निवासरत बालकों के सबंध में उनके अधिकार व जेल में बालकों को प्राप्त होने वाली मूलभूत सुविधाओं के सबंध में जागरुक किया। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत जेल में आयोजित होने वाले आयोजनो के सबंध में प्रकाश डाला। आभार जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय ने ज्ञापित किया।

इस अवसर पर महिला बंदियों एवं उनके बच्चों को फ्ल विस्किट एवं महिला बंदियों हेतु सेनटरी पैड भी वितरित किये गये। इस अवसर पर श्याम सिंह कुशवाहाए पूजा मिश्राए भीम सिंहए आरती तिवारीए सुमित सिंहए कुमारी बेनजीर अंजुम एवं कला ठकुराय उपस्थित रहे।

ट्रक लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने एक बार बुझाई तो दोबारा धू-धू कर जला, हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से हादसा

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। चोरहटा थाना अंतर्गत रीवा बाईपास के दुआरी गांव में, मैदे से लदा एक ट्रक, हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से धू-धू करके जल गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने दमकल की मदद से आग पर काबू पाया। लेकिन आग एक बार दोबारा भड़क उठी और ट्रक पूरी तरीके से जलकर खाक हो गया। ड्राइवर खलासी ने ट्रक से कूद कर किसी कदर अपनी जान बचाई। घटना आज तड़के और दोपहर को हुई।

मैदे से भरा था ट्रक: जानकारी के मुताबिक नेशनल हाईवे 30 से, प्रयागराज के रास्ते एक मैदे से भरा हुआ ट्रक रीवा आ रहा था। ट्रक रीवा पहुंचा लेकिन रास्ते से भटक गया। नेशनल हाईवे छोड़कर ग्रामीण इलाके में जाने वाले बाईपास रोड में उतर गया।

ट्रक ड्राइवर को जैसे ही इस बात का एहसास हुआ, कि वह गलत रास्ते पर आ गया है। ट्रक को वापस नेशनल हाईवे में लाने का प्रयास करने लगा। ढालदार रास्ता था, ऊपर हाई टेंशन लाइन, जिसके चलते ड्राइवर को समझ में नहीं आया। उधर मैदे से लदा ट्रैक हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया और देखते ही देखते ट्रक धू-धू करके जलने लगा। ड्राइवर खलासी ने ट्रक से कूद कर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने इस बात की सूचना चोरहटा थाना पुलिस को दी। पुलिस ने दमकल की मदद से आग पर पाया काबू। लेकिन कुछ देर बाद एक बार फिर से दोबारा ट्रक से आग जलने लगी। जब तक दमकल दोबारा आती, ट्रक पूरी तरीके से जलकर खाक हो गया।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली और शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों से जुड़े प्रत्येक शिकायत प्रकरण का समय पर और गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्राथमिकता वाले प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

बीएलओ विभागीय कार्यों से रहेंगे मुक्त

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक मतदान केन्द्र में तैनात बीएलओ 4 दिसंबर तक घर.घर जाकर गणना पत्रक के माध्यम से मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। गहन पुनरीक्षण का कार्य पूरा होने तक सभी बीएलओ तथा गहन पुनरीक्षण में तैनात अन्य कर्मचारी विभागीय दायित्व से मुक्त करेंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया है कि मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसंबर तक किया जा रहा है। इस अवधि में सभी बीएलओ को निर्वाचन आयोग पर प्रतिनियुक्ति में मना जायेगा और वे सभी लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के प्रावधानों के तहत निर्वाचन आयोग के अनुशासनिक नियंत्रण के अधीन होंगे। सभी बीएलओ से संबंधित कार्यालय प्रमुख अपने स्तर से बीएलओ तथा अन्य कर्मचारियों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संबंध में समुचित निर्देश दे जिससे निर्वाचन आयोग द्वारा तय समय सीमा में पुनरीक्षण का कार्य किया जा सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।